चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 207 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

21 जनवरी 2025 मंगलवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

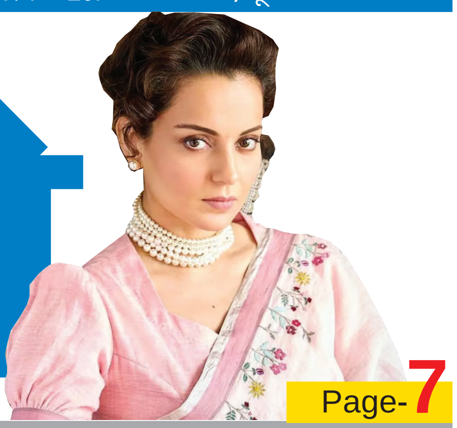

Page-7

‘गेमचेंजर’ व ‘पुष्पा’ के निर्माताओं पर आयकर की छापेमारी

हैदराबाद, एजेंसी

आयकर विभाग ने आज सुबह फिल्म गेम चेंजर के निर्माता दिलराजू और पुष्पा 2 के निर्माताओं के ठिकानों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई संदिग्ध टैक्स चोरी को लेकर की गई है और यह अभी जारी है। उंल्लेखनीय है कि हाल में दोनों फिल्मों ने रिलीज के बाद जमकर कमाई की है। हालांकि आयकर विभाग ने अभी अ धिकारिक तौर पर इस बारे में कुछ नहीं कहा है।

ट्रंप का किस मिस..!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप की बीती रात हुआ शपथ समारोह अब तक चर्चा में है। इस प र पूरी दुनिया की नजर थी। समारोह की हर बात पर बारीकी से नजर रखी गई। इसका नतीजा यह हुआ कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े मीम्स छा गए हैं। दरअसल ट्रंप की पत्नी और अब अमेरिका की पहली महिला बन चुकीं मेलेनिया ट्रंप ने चौड़ी हैट पहनकर शपथ समारोह में शिरकत की थी। इसी हैट ने उनके पति डोनाल्ड ट्रंप को मंच पर गाल पर किस करने से रोक दिया वे शपथ के बाद पत्नी के पास आए लेकिन उनका लंबा चौडा हेट बीच में आ गया।

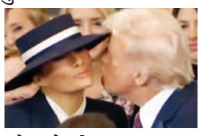

सिंग्रामपुर के बाद अब अहिल्या नगरी महेश्वर में कैबिनेट बैठक 24 को

नारी शक्ति मिशन को महेश्वर में मिलेगा आकार, 35 डेस्टिनेशन बैठकों के आसार

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मप्र की मोहन यादव सरकार अब महिला शासक रहीं देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी महेश्वर में डेस्टिनेशन कैबिनेट के लिय पहुंच रही है। इस बैठक में सरकार के महत्वाकांक्षी महिला मिशन के मसौदे पर चर्चा होगी और इसे अंतिम रूप भी मिलेगा। सरकार ने इस वर्ष जिन चार मिशन पर काम करने की योजना बनाई हैं,उसमें युवा मिशन शुरू हो चुका है और अब महिला शक्ति मिशन के लिये सरकारी फाइलें दौड रही हैं। इस मिशन के लिये करीब आधा दर्जन विभागों की भूमिका तय की जा रही है। महेश्वर कैबिनेट 24 जनवरी को होगी। इसमें अन्य कुछ दूरगामी निर्णय लिए जाने की संभावना है। इससे करीब दो महीने पहले रानी दुर्गावती की राजधानी रही सिंग्रामपुर में भी ऐसी ही बैठक की गई थी। महेश्वर में होने वाली कैबिनेट बैठक इस साल 2025 की पहली डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक है। इसके लिये प्रशासनिक तैयारी सप्ताहभर से चल रही है। सूत्र बताते हैं कि सीएम मोहन यादव ने डेस्टिनेशन कैबिनेट को लेकर सीएस अनुराग जैन ने एसीएस व पीएस के साथ प्रमुख प्रस्तावों पर चर्चा कर ली है और अंतिम रूप देने संबंधी कार्रवाई शुरू करने के लिये कहा है।

हालांकि देवी अहिल्या बाई होल्कर से जुड़े इस स्थल पर सरकार पूर्व में ही कैबिनेट बैठक करने की घोषणा कर चुकी थी लेकिन तारीख का ऐलान नहीं किया था। सीएम की मंशा है कि यह कैबिनेट बैठक जन कल्याण के लिए समर्पित महिला शासिका देवी अहिल्या बाई को समर्पित रहे। बताया जाता है कि अगले चार साल में करीब 35 से अधिक डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठकें होनी है। सरकार इन बैठकों के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों का महत्व बढ़ाना देने की बात कह रही है।

नारी शक्ति मिशन का प्रस्तावित स्वरूप

जानकार सूत्रों की मानें तो सरकार महिलाओं की आय बढ़ाने की दिशा में आर्थिक मोर्चों पर अलग-अलग काम करना चाहती है,मिशन में यह खास बिंदु होंगे। महिलाओं की उच्च शिक्षा पर फोकस किया जाएगा। कुपोषण मिटाने के लिए ग्राम स्तर पर काम होंगे। उद्योगों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़े, इसके लिए अलग-अलग प्रयास शुरू होंगे। महिलाओं को लोन दिए जाने संबंधी प्रक्रिया को आसान किया जाएगा तथा सरकारी नौकरियों में भागीदारी बढ़ाने के लिए खाली पदों को अभियान चलाकर भरा जाएगा। कमजोर वर्ग की महिलाओं को आगे लाने के लिए विभागों को अलग-अलग स्तर पर जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

छत्तीसगढ़ में 15 नक्सलियों को एनकाउंटर में ढेर किया

इनमें एक करोड़ का ईनामी भी मारा गया

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मुठभेड़ में आज जवानों ने 15 नक्सलियों को मार गिराया , इसमें 1 करोड़ का इनामी भी शामिल है। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। रविवार रात से आज सुबह तक रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में एक हजार जवानों ने 60 नक्सलियों को घेर रखा है। मामला मैनपुर थाना इलाके का है। बताया जाता है कि इस एनकाउंटर में कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हुआ है। घायल को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया है। इससे पहले सोमवार को 2 नक्सलियों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा, ओडिशा के नुआपाड़ा एसपी राघवेंद्र गूंडाला, ओडिशा डीआईजी नक्सल ऑपरेशन अखिलेश्वर सिंह और कोबरा कमांडेंट डीएस कथैत इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें 10 टीम एक साथ निकली थी। 3 टीम ओडिशा से, 2 टीम छत्तीसगढ़ पुलिस से और 5 सीआरपीएफ टीम इस ऑपरेशन में शामिल थी। जवान क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे, तभी नक्सलियों ने उन पर हमला किया।

फीकी शुरूआत के बाद लुढ़का शेयर बाजार

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार आज मंगलवार को सपाट शुरुआत के बाद लाल निशान पर आ गया। इस दौरान शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 188.28 अंक चढ़कर 77,261.72 पर पहुंचा। निफ्टी 52.65 अंक चढ़कर 23,397.40 अंक तक आ गया। मगर बाद में सेंसेक्स और निफ्टी 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ कारोबार करने लगे। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे बढ़कर 86.28 पर पहुंच गया।

पुलिस को 19 फिंगर प्रिंट मिले, घटना का रिक्रिएशन

सैफ के घर तड़के 4 बजे फिर पहुंचा हमलावर

मुंबई, एजेंसी

अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने आज तड़के क्राइमसीन रीक्रिएट किया। इसमें यह पता लगाने की कोशिश की गई कि आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने कैसे हमला किया? कैसे सैफ अली खान के घर में गया? कैसे छोटे बेटे जहांगीर के बेडरूम तक पहुंचा फिर कैसे वहां से निकला? बताया जाता है कि मामाल में गिरफ्तार आरोपी शरीफुल को पुलिस बीती रात करीब डेढ बजे लॉकअप से निकालकर सबसे पहले बांद्रा स्टेशन पहुंची। तड़के तीन से चार बजे के बीच उसे सैफ की सोसाइटी में ले जाया गया। आरोपी को ठीक उसी तरह से एक बैग पैक भी पहनाया गया था, जैसा उसने घटना के समय पहना था। सीन रिक्रिएट करने के अलावा फोरेंसिक टीम अलग से भी सैफ के घर में जांच के लिए पहुंची। टीम ने सैफ के घर के बाथरूम की खिड़की, शाफ्ट और सीढ़ी से कुल 19 फिंगरप्रिंट कलेक्ट किए। बताते हैं कि आरोपी बाथरूम की खिड़की से ही सैफ के घर घुसा था और हमले के बाद यहीं से वापस भी निकला। उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी की रात करीब दो बजे सैफ पर हमला हुआ था, उन्हें रीढ़ और गर्दन पर गंभीर जख्म आए थे। इसके बाद वे लीलावती अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैफ अली खान की आज अस्पताल से छुट्टी हो सकती है।

पूरे आसमान पर आज शाम निकलेगी सितारों की बारात !

नजर आएंगे 6 ग्रह

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आज की शाम कुछ मायनों में बेहद खास होने जा रही है। इसकी वजह मौसम में बदलाव की वजह से नहीं बल्कि सूर्यास्त के बाद आकाश में पूर्व से पश्चिम तक सौरमंडल के 6 ग्रहों के एक कतार में आना है। आज पूर्वी आकाश में जहां मंगल (मार्स) होगा तो सिर के लगभग ऊपर बृहस्पति (जुपिटर) और यूरेनस होंगे। पश्चिमी आकाश में नेप्च्यून, शुक्र (वीनस) और शनि (सेटर्न) होंगें। ग्रहों की कतार के नजारे में आप खाली आंखों से मंगल, बृहस्पति, शुक्र और शनि को तो देख पाएंगे। यूरेनस और नेप्च्यून को देखने के लिए टेलिस्कोप की मदद लेनी होगी । खगोलविद् सारिका घारू का कहना है कि सौरमंडल के पहले ग्रह बुध की इस समय कमी रहेगी। इस कमी को आने वाले फरवरी माह में पूरी कर पाएंगे। तब सभी ग्रहों को एक साथ देखा जा सकेंगा। उनका कहना है कि यदि लोग सौर परिवार के तीसरे ग्रह को देखना चाहते हैं तो उसे देखने के लिए ऊपर नहीं बल्कि कदमों की तरफ देखना होगा, और वह है आपका अपना पृथ्वी ग्रह। हालांकि ग्रहों की परेड आम तौर हर कुछ साल में होती रहती है। लेकिन इनका समय बदलता रहता है। आकाश के लिए यह शाम को दिख रही है।

महाकुंभ में कैबिनेट, एटीएस ने की गंगा जल की जांच

अब तक करीब 9 करोड़ ने किया स्नान

प्रयागराज, एजेंसी

महाकुंभ के नौवें दिन आज सुबह करीब 16 लाख लोगों ने स्नान किया। अब तक 8.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में आज एटीएस ने गंगाजल की जांच शुरू कर दी है। पहले भी संगम पर पानी की जांच रोज कराई जाती रही है, हालांकि अब इसमें एटीएस और डॉक्टरों की टीम शामिल की गई है। वहीं कल उप्र की योगी कैबिनेट की बैठक गंगा किनारे बुलाई गई है। बैठक में शामिल लेने के लिए कई मंत्री आज ही पहुंच रहे हैं। उद्योगपति गौतम अडाणी आज महाकुंभ में हैं। इस दौरान वह इस्कॉन पंडाल में भंडारा कराएंगे। अडाणी समूह इस साल इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर महाकुंभ आने वाले श्रृद्धालुओं की सेवा में लगा है। इस्कॉन के साथ मिलकर अडाणी समूह रोज 1 लाख श्रृद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण कर रहा है। अडाणी इस्कॉन पंडाल में भंडारे में भी शामिल होंगे। रेल्वे ने दिया झटका- उधर महाकुंभ मेले के दो बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी से पहले रेलवे ने बड़ा झटका दिया। अचानक लंबी दूरी की 29 ट्रेनें निरस्त कर दी हैं।

मेट्रो एंकर

इतने अटेंशन से खुश भी परेशान भी

मोनालिसा के मोतियों से ज्यादा ‘कीमती’ बनीं आंखें, महाकुंभ में महेश्वर की सेलिब्रिटी!

प्रयागराज, एजेंसी

महाकुंभ में माला बेचने वाली मप्र की मोनालिसा सोशल मीडिया पर छा चुकी हैं। बेहद खूबसूरत आंखों की वजह से 17 साल की मोनालिसा रातो-रात इंटरनेट मीडिया की सनसनी बन गई हैं। हालांकि इससे वह जितनी खुश है उतनी ही परेशान भी हो रही है और अपने शहर महेश्वर लौटने की राह पर है। दरअसल वह कुंभ में मोती और रुद्राक्ष की मालाएं बेचने पहुंची है। मगर इन्हें खरीदने के बजाए लोग उन्हें देखने आ रहे हैं। यह वायरल गर्ल मोनालिसा घोसले महेश्वर के वार्ड क्रमांक-9 की रहने वाली हैं. फिलहाल वह माता-पिता के साथ माला बेचने महाकुंभ गई है। मोनालिसा के दादा लक्ष्मण घोसले कहते हैं कि उन्हें 20 साल पहले घर बनाने के लिए पट्टे मिले थे. तब से वह यहीं कच्चा-पक्का मकान बनाकर रहते हैं। परिवार वाराणसी और हरिद्वार से कच्चा माल लेकर आता है, यहां मालाएं बनाता है। एक माला 20 रुपये से लेकर 10 हजार रुपये की होती है। इसमें रुद्राक्ष सहित अन्य मोतियों की मालाएं होती हैं। मोनालिसा का परिवार कई वर्षों से मालाएं बनाकर बेचता है। इसमें ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर सहित अन्य धार्मिक स्थलों या मेलों में माला बेचने जाते हैं। मोनालिसा की एक बहन और दो भाई हैं. पोती अपने माता-पिता के साथ ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर सहित अन्य धार्मिक स्थलों और मेलों में माला बेचने जाती है।

विदेशी भी मंत्रमुग्ध, मीडिया भी हुई मुरीद

प्रयागराज महाकुंभ में पहुंची मोनालिसा के हर दिन कोई न कोई वीडियो वायरल होते रहते हैं। अब उनके पास कंठी-माला खरीदने के लिए विदेशी ग्राहक भी आ रहे हैं। जबकि दिनभर मीडिया के कैमरे उससे बात करते हैं। इससे मोनालिसा बहुत खुश हैं. कहती हैं- भरोसा नहीं होता कि मुझे अब करोड़ों लोग जानते हैं शायद मैं सेलीब्रेटी बन गई हूं। दरअसल आंखों का रंग अलग होने के कारण ‘मोनालिसा’ की सौंदर्य प्रशंसा हो रही है, तो उनका गरीबी में बीता बचपन और पीड़ा भरी कहानी लोगों को झकझोर रही है।

सर्दी का असर कम

भोपाल. दोपहर मेट्रो। पिछले एक पखवाड़े से तीखी सर्दी के बाद इन दिनों मौसम शुष्क होने के साथ ही सर्दी का असर कम हुआ है। इस समय उत्तरी हवा नहीं आना इसका कारण है। अगले चार पांच दिन मौसम इसी तरह रहने की संभावना है, लेकिन 25-26 जनवरी से फिर तापमान में गिरावट की उम्मीद है।

नहीं सुधारे, तो स्वच्छ सर्वेक्षण में फिर गिरेंगे

कैसे सुधरेगी रैंकिंग, शहर में चारों ओर सिर्फ गंदगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपशहर को प्रथम स्थान मिले, इसके लिए स्थानीय प्रशासन कड़ी मेहनत कर रहा है। नगर निगम आयुक्त खुद लगातार वार्डों में जाकर साफ-सफाई का निरीक्षण कर रहे हैं, साथ ही सफाई अमले को स्वच्छ सर्वेक्षण मापदंडों के अनुसार सफाई करने के लिए निर्देशित कर रहे हैं। यह कवायद अगले माह होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए की जा रही है, क्योंकि इस सर्वे से शहर की स्वच्छता रैंक निर्धारित होगी। वहीं अधिकारियों का कहना है कि साफ सफाई के लिए प्रतिदिन निगरानी की जा रही है। काम में लापरवाही करने वाले सफाई कर्मियों को निलंबित तक किया जा रहा है।

राजधानी में इन स्थानों पर ये हाल

- **रेलवे स्टेशन:** यहां चारो ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। प्लेटफॉर्म एक के शौचालय बहुत गंदे है, जबकि इनका उपयोग करने के लिए शुल्क देना होता है।
- **सड़कें:** निगम आयुक्त ने हाल में सफाई कर्मियों को निर्देशित किया था कि सफाई के तत्काल बाद कचरा एकत्रित करें, लेकिन नर्मदापुरम रोड के दोनों तरफ सफाई के कचरे के ढेर शाम तक हर दस कदम पर लगे मिले।
- **आइएसबीटी:** बस टर्मिनस पर बनी खान-पान की दुकानों के पासपास बहुत गंदगी का माहौल है। यहां पर कोई भी कहीं भी लघु शंका करता हुआ मिलता है। जहां पर बसें खड़ी होती हैं, वहां पर तो कीचड़ फैला हुआ है।
- **बस स्टॉप:** बीआरटीएस हटने के बाद से शहर के बस स्टॉपों की हालत बेहद खराब हो गई है। यहां पर तमाम तरह की गंदगी देखने को मिलती है। कुछ बस स्टॉप के पीछे स्थानीय लोगों ने गंदगी करना शुरू कर दिया है।
- **शौचालय:** इस समय अधिकांश सार्वजनिक शौचालयों की बुरी हालत है। तय मापदंडों के अनुसार कोई भी व्यवस्था नहीं मिलती है। यही कारण है कि लोगों ने कहीं भी गंदगी, शौच और पेशाब करना शुरू कर दिया है।
- **एमपी नगर:** यहां की गलियों में कचरा फैला है। हर गली में हमेशा अव्यवस्थित ढंग से गाड़ियां खड़ी जाती है। कई दुकानों के आस-पास अच्छी खासी मात्रा में पानी बहता हुआ मिला।

भोपाल में भी कार्बन क्रेडिट मॉडल से मुनाफे की तैयारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदौर की तर्ज पर कार्बन क्रेडिट बेचकर हर साल मुनाफा कमाने के लिए नगर निगम भोपाल ने भी मॉडल तैयार कर लिया है। निगम ने इस मामले में केंद्रीय नगरीय विकास मंत्रालय से संपर्क कर केंद्र से अधिकृत क्रेडिट कंसल्टेंट नियुक्त करने का प्रस्ताव भेज दिया है। शहर के कचरा प्रबंधन, मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रिसाइकल हब सहित कुल 6 मॉडल के आधार पर कार्बन उत्सर्जन कम करने का दावा किया है। जल्द ही सेंट्रल कंसल्टेंट की मदद से मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार होगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि निगम भोपाल प्रतिवर्ष कितने कार्बन क्रेडिट हासिल करने के लिए योग्य बन चुका है। अंतराष्ट्रीय बाजार में क्रेडिट खरीदने वाली कंपनियों के सामने बोली लगाकर इसे विक्रय किया जाएगा। इंदौर कार्बन क्रेडिट से एक करोड़ से ज्यादा मुनाफा कमा रहा है।

इन चरणों को पूरा करना बाकी : अभी कार्बन क्रेडिट के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा वेरिफिकेशन किया जाता है। कार्बन क्रेडिट की संख्या के हिसाब से सर्टिफिकेट मिलता है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर बेचा जाता है।

भोपाल का यह मॉडल

- **रिसाइकल हब:** शहर में 12 स्थानों पर रिसाइकल हब बनाकर दोबारा इस्तेमाल योग्य सामग्री का पुर्नचक्रण।
- **वेस्ट मैनेजमेंट:** 600 मीट्रिक टन कचरे का रियल टाइम कलेक्शन कर प्रोसेसिंग।
- **सीएनजी प्लांट:** कचरे से सीएनजी बनाकर इसे विभागीय वाहनों में इस्तेमाल करना।
- **पेट्रोल-डीजल बंदी:** निगम के 833 वाहनों को सीएनजी में कन्वर्ट करने का अभियान।
- **रिमेडिएट साइट:** कार्बन फुटप्रिंट और ग्रीनहाउस गैस पैदा करने वाले जैविक कचरा निपटाने 36 एकड़ में साइट।
- **कोकोनट प्लांट:** दानापानी में 20 लाख रुपए की लागत से कोकोनट प्लांट की स्थापना।

दसवीं-बारहवीं की परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र के लिए विशेष कमेटी, दो पेपर के बीच कोई गैप नहीं

पहली बार परीक्षा कक्षों की निगरानी के लिए एप की मदद लेंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कक्षा दसवीं और बारहवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू हो गई। पहली बार प्रदेश भर के सभी परीक्षा कक्षों की निगरानी के लिए एप की मदद ली जाएगी। इस बीच 56 स्कूलों में 10वीं-12वीं की प्री बोर्ड परीक्षा शुरू हो चुकी है। दो प्रश्न पत्र के बीच कोई गैप नहीं रखा गया है। उधर, प्रदेश में 14 प्रतिशत परीक्षा केन्द्र ऐसे हैं जहां नकल या गड़बड़ी का अंदेशा है। जिसके चलते इन केन्द्रों पर विद्यार्थी पुलिस के पहरे में परीक्षा देंगे। प्रदेश में 3887 केन्द्रों पर माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा कराने जा रहा है। इनमें से 562 केन्द्र संवेदनशील और अतिसंवेदनशील माने गए हैं। प्रदेश में 25 फरवरी से बोर्ड परीक्षा शुरू होने जा रही है। करीब 18 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। मंडल अधिकारियों के मुताबिक निगरानी के लिए मैन्युअल तरीके के साथ तकनीक का भी इस्तेमाल होगा। परीक्षा निगरानी के लिए तैयार ऐप में नए फीचर जोड़े गए हैं। राजधानी सहित प्रदेश के स्कूलों में 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों प्री बोर्ड परीक्षा गुरुवार से शुरू होगी। परीक्षा में दो प्रश्नपत्रों के बीच स्टूडेंट को कोई गेप नहीं है। राजधानी के पचास से ज्यादा स्कूलों में आयोजन होगा। परीक्षा के

पिछले साल के मुकाबले 20 दिन लेट

बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा में 43 दिन बाकी है। पिछले साल से तुलना करें तो इस बार परीक्षा 20 दिन लेट है। पिछले वर्ष 5 फरवरी से बोर्ड परीक्षा शुरू हुई थी। **सभी परीक्षा केन्द्रों को ऐप से जोड़ा:** मंडल अधिकारियों के मुताबिक 3887 केन्द्र बने हैं। इन सभी को मंडल ने ऐप से जोड़ा है। संवेदनशील पर कैमरों से निगरानी होगी।

लिए लोक शिक्षण संचालनालय से जारी टाइम टेबिल के मुताबिक कम समय से ज्यादा तैयारी के हिसाब से इसे आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा का रिजल्ट इसके तुरंत बाद जारी होगा। इसके आधार पर उन विद्यार्थियों की एक्स्ट्रा क्लासेस होगी जिनका परिणाम कमजोर होगा। बोर्ड की तैयारी के आधार पर फोकस किया जा रहा है। परीक्षा के लिए कुछ स्कूलों का जायजा भी लिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि राजधानी के दो स्कूलों में जाकर व्यवस्था देखी गई। परीक्षा तैयारी को देखते हुए शिक्षकों की छुट्टियों में कमी की गई। लंबी छुट्टी पर रोक है। परीक्षा तैयारी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक विशेष परिस्थितियों में उच्च स्तर से अनुमति के बाद भी इसे स्वीकृत किया जा रहा है। परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी के लिए मंडल इस बार विशेष टीम बना रहा है। टीम परीक्षा शुरू होने से लेकर मूल्यांकन खत्म होने तक निगरानी करेगी। टीम जिला स्तर पर रहेगी। इस साल व्यवस्था है। इस बार खास तैयारी होगी। निगरानी के लिए मैन्युअल व्यवस्था से लेकर तकनीक को शामिल किया है। संवेदनशील केन्द्रों पर सुरक्षा बल मौजूद रहेगा।

श्रीराम, सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान लला मूर्ति की अभिजीत मुर्हूत में हुई प्राण प्रतिष्ठा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में चल रहे श्री हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के सोमवार दिन सुबह आवाहित देवता पूजन, अभिजीत मुर्हुत में प्राण प्रतिष्ठा और यज्ञ किया गया। इसके बाद भगवान का दिव्य श्रृंगार किया गया जिसमें भगवान को चांदी का मुकुट, आभूषणों की माला, सुगंधित पुष्पों की बनी माला अर्पित किए गए। शाम को पंडित कपिल शर्मा, पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित प्रवीण शर्मा, पंडित हरिओम भारद्वाज, पंडित अंकित दीक्षित द्वारा महाआरती की गई, जिसमें अयोध्या से वत्स महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर कैलाश मिश्रा, सुशील वासवानी, रमेश किशनानी, महेश गर्ग, विशाल पुरोहित, विष्णु विश्वकर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 21 जनवरी को आवाहित देवता पूजन, श्री हनुमंत आचार्य सहस्त्र पदार्थों द्वारा महाआहुति एवं रामचरित्र मानस पाठ किया जाएगा। 22 जनवरी को कन्याभोज, ब्राम्हण भोज एवं आम भण्डारा किया जाएगा। इस अवसर पर अखण्ड रामायण पाठ भी चलेगा।

भगवान के दिव्य श्रृंगार के बाद हुई महाआरती

कल विहिप कराएगा सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष में राजा भोज की नगरी भोपाल में सवा लाख दिव्य हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 22 जनवरी को राजधानी स्थित पिपलानी पेट्रोल पंप के सामने दोपहर 2:00 बजे प्रारंभ होगा।इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री उत्तम स्वामी महाराज उपस्थित रहेंगे। साथी मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री जितेन पवार उपस्थित रहेंगे। बीते दिनों विश्व हिंदू परिषद द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भगवा ध्वज लगाकर पूजन किया गया। विहिप के प्रान्त प्रचार प्रसार प्रमुख जितेंद्र चौहान ने यह बताया कि इस पूजन कार्यक्रम में विष्णु शरण, राजोरिया परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष, के एल शर्मा प्रान्त अध्यक्ष, राजेश जैन प्रांत मंत्री, सुरेंद्र चौहान प्रांत संगठन मंत्री सहित अन्य उपस्थित रहेइस आयोजन में भोपाल के जिला भेल क्षेत्र के सभी प्रखंडों की सेवा बस्तियों से हिंदू समाज उपस्थित रहेगा।

चिल्ड्रेन होप इंडिया ने कबड्डी में गोल्ड जीता

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

इंटर स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता में चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गांधीनगर की टीम ने गोल्ड मेडल हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन टेक्नो इंडिया ग्रुप पब्लिक स्कूल पटेल नगर, रायसेन में किया गया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूरी टीम को पुरस्कार के रूप में स्मृति चिंह और तीन हजार रूपये की नकद राशि मिली। टीम में प्रियांशी सोलंकी निशा बंजारा, आन्या श्रीवास्तव, हनी विश्वकर्मा, कनिष्का जैन, समीक्षा विश्वकर्मा, जोया शेख, नैंसी शर्मा, परि पेमल, कनक परमार, आरुषि वर्मा, महक प्रजापति, प्रिंसी सनी काले शामिल थीं।

मेट्रो एंकर

जाम की समस्या खत्म करने खेल मैदान में अस्थाई पार्किंग का प्रस्ताव भेजने के निर्देश

महापौर का दौरा: सफाई कार्य में लापरवाही पर दरोगा एवं सुपरवाइजर हटाए गए

बाजार की सड़कों पर निगम ने पीली लाइन खींची

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर दौरे पर आई महापौर मालती राय ने मेन रोड एवं बाजार में लगने वाले जाम से छुटकारा पाने लिए कहा है व्यापारी अपनी दुकान का सामान निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें। निगम अमला सड़क पर खड़े होने वाले फल, सब्जी, फुल्की, चाट के ठेलों को व्यवस्थित करें। महापौर ने बैरागढ़ फायर ब्रिगेड के सामने बंद पड़े फाउंटेन को चालू करने, शहीद हेमू कालानी खेल मैदान में अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था करने, मुख्य मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों को शिफ्ट कराने, सुलभ जनसुविधा केन्द्र के आसपास सफाई कराने, क्षतिग्रस्त चेम्बर पर ढक्कन लगाने, नाला-नालियों, सड़कों, गलियों की बेहतर साफ-सफाई करने हेतु टीम बनाकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। महापौर राय ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले वार्ड 04 के दरोगा एवं सुपरवाइजर को बदलने के निर्देश दिए। महापौर ने उपनगर के मुख्य मार्ग, बाजार सहित वार्ड 04 के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वच्छता संबंधी कार्यों एवं यातायात व्यवस्था, पार्किंग

व्यवस्था, अतिक्रमण आदि के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। महापौर को स्थानीय नागरिकों ने बताया कि क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग की बड़ी समस्या है साथ ही दुकानदारों द्वारा दुकान का सामान सड़क पर रखने, सड़क पर ठेले आदि खड़े होने के कारण हमेशा ट्राफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। महापौर ने शहीद हेमू कालानी खेल मैदान में अस्थाई पार्किंग व्यवस्था करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए साथ ही साथ ही खेल मैदान की सुरक्षा के दृष्टिगत वाहनों को व्यवस्थित ढंग से पार्क कराने हेतु भी निर्देशित किया। महापौर राय ने सुगम यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत सब्जी वाले ठेलों को सब्जी मार्केट में, फल वालों को सिविल अस्पताल के सामने व फुल्की, चाट आदि के विक्रेताओं को अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए। महापौर राय ने निर्मल टेक्सटाइल के सामने लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। महापौर ने दुकानों के बाहर सड़क पर पीली लाइन बनाने के साथ ही दुकानदारों को एनाउंसमेंट के माध्यम से हिदायत देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य आर.के. सिंह बघेल, राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अफसरों ने छात्रों को जागरूक किया ट्रैफिक सुरक्षा के लिए हुआ सत्र

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ट्रैफिक सुरक्षा सत्र का आयोजन किया गया। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, ट्रैफिक पुलिस, एनसीसी एनएसएस और कॉलेज यूनियन ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। सत्र की शुरुआत एसीपी देवेंद्र यादव, टीआई संजय सूर्यवंशी और डिस्ट्रिक्ट यूथ ऑफिसर निकी राठौर ने परंपरागत तरीके से की। कॉलेज के प्रमुख हीरो ज्ञानचंदानी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा, जब हम खुद से प्यार करेंगे, तभी सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे। एसीपी देवेंद्र यादव ने सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और संवेदनशील क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिए जाने वाले हाथ के संकेतों को समझाया। कार्यक्रम का समापन निक्की राठौर के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। सत्र में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी शामिल था, जिसमें विद्यार्थियों ने ट्रैफिक सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रश्न पूछे।

वन और पर्यावरण विभाग को चार से 6 महीने के लिए मिले मंत्री, अब अफसर राज

दोनों विभाग सीएम के पास, मंत्री नहीं इसलिए कई अफसर मनमर्जी से कर रहे काम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के लिए वन और पर्यावरण दो अहम विभाग है, जिनमें चार से छह महीने के लिए दो अलग–अलग मंत्री रहे। अब दोनों विभाग सीएम डॉ. मोहन यादव के पास है। मुख्यमंत्री की व्यस्तताएं भारी है। माना जा रहा है कि इसका फायदा दोनों विभाग के कुछ अफसर उठा रहे हैं। यही वजह है कि बड़े कामकाज ठप है। जमीनी स्तर पर काम नहीं हो रहे हैं, लोग परेशान है। उल्लेखनीय है कि ये दोनों विभाग मोहन सरकार में नागर सिंह चौहान को दिए गए थे। बाद में उनसे लेकर रामनिवास रावत को दे दिए गए, जो विजयपुर विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा से हार गए। परिणाम वाले दिन ही उन्होंने इस्तीफा भेज दिया था, जिसे सीएम ने दिसंबर में स्वीकार कर लिया था।

चर्चा है कि मोहन सरकार के आने के बाद से दोनों विभागों में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कुछ समय के लिए अलग-अलग दो मंत्रियों के पास इसकी जिम्मेदारी होना, मुख्य वजह है। शुरू में नागर सिंह चौहान को विभाग की जिम्मेदारी सौंपी थी, बाद में उनसे लेकर रामनिवास रावत को दे दी गई। दोनों कुछ अवधि तक विभाग के मंत्री रहे। जब तक काम पटरी पर आता, तब तक दोनों एक-एक करके हट गए। बढ़ती पर्यावरण चुनौतियों और प्रदूषण के नित्य नए रिकार्ड के चलते पर्यावरण विभाग भी अहम हो गया है। माना जा रहा है कि ऐसे विभाग का जल्द बंटवारा किया जाएगा।

फिर उठी विभाग बंटवारे की चर्चा

मप्र में इन दो विभागों के बंटवारे की चर्चा एक बार फिर उठी है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने जल्द दोनों विभाग बांटने के लिए कहा है जिसके बाद नए सिरे से बंटवारे को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। पहली संभावना मंत्रिमंडल विस्तार की है। यदि इस विकल्प पर राज्य के भीतर बात नहीं बनती है तो मौजूदा मंत्रियों में से किसी दो मंत्रियों के बीच दोनों विभाग बांटे जा सकते हैं।

सीएम बोले-आयुर्वेद की दवा असरदार मैं मंत्री से सीधे मुख्यमंत्री बन गया!

आयुर्वेद पर्व के उद्घाटन के दौरान कही बात पर लगे ठहाके

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के शासकीय पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान में कल से शुरू हुआ आयुर्वेद पर्व जारी है। अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन की सहभागिता से हो रहे इस आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया है। खास बात यह कि कार्यक्रम में सीएम ने कहा, लोग कहते हैं कि आयुर्वेद की दवाई देर से असर करती है लेकिन मुझे आयुर्वेद की दवाई ने तेजी से असर किया, मैं शिक्षा मंत्री से मुख्यमंत्री बन गया। उन्होंने आगे कहा कि एमपी की धरती पर 2028 को महाकुंभ होने जा रहा है। हमारी आस्था विश्वास रखने वालों का पलक पाव? बिछा कर 2028 का इंतजार करेगी। सीएम ने 2028 कुंभ में आयुर्वेद पर्व का आयोजन करने की बात भी कही।

कार्यक्रम में पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक भगवानदास सबनानी और पद्मश्री एवं पद्मभूषण से अलंकृत अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन ट्रस्ट, नई दिल्ली के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा समेत प्रमुख सचिव आयुष विभाग डीपी अहूजा, वैद्य मनोज नीसरी, आर उमा स्वामी, उमेश शुक्ला, विनोद बैरागी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की पहचान टाइगर प्रदेश के नाम से भी है। दुनिया में सबसे ज्यादा बाघ भारत में पाए जाते है। जिसमें देशभर में सबसे ज्यादा बाघ मध्य प्रदेश में है। वहीं, प्रदेश में केवल बाघ नहीं तेंदुआ और कई अन्य जीव मिलते है। इसी के चलते प्रदेश वन्य जीवों के लिए आदर्श राज्य है। साथ ही प्रदेश नदियों का धनी है। इसी वजह से भारत रत्न अटल जी के सपने की नदी जोड़ों परिकल्पना के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक लाख पचहत्तर हजार करोड़ की धनराशि दी है। मध्यप्रदेश विश्व का पहला नदी जोड़ो राज्य बन गया है।

पीएम आयुर्वेद के ब्रांड एंबेसडर सीएम यादव ने कहा, आयुर्वेद हज़ारों साल पुरानी परंपरा है। आज जब दुनिया इसकी ओर जा रही है, तो हम एक तरह से इसके राजदूत हैं। हमारे प्रधानमंत्री तो इसके ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री भारत से बाहर जाकर भी हर मोर्चे पर आयुर्वेद को प्रमोट करते हैं। हमारे काढ़े को बड़े-बड़े एलोपैथिक डॉक्टर मांगकर पीते थे। आयुर्वेद का कोई तोड़ नहीं है, यह प्रत्यक्ष अनुभव से सिद्ध होता है। अगर जीवन के किसी मोड़ पर आपको अपने शरीर से तालमेल बैठाने की जरूरत होती है, तो आयुर्वेद इसमें आपकी मदद जरूर करेगा। यह गारंटी है। हम अपने जीवन का हर पल जी रहे हैं, तो ऑक्सीजन हमें वनस्पति से ही मिल रही है। यह प्रकृति का परस्पर सह-अस्तित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है।

संस्थानों को उज्जैन में मिलेगी जमीन

सीएमने कहा, भारतमें वह सारी चीजें है, जिसको जानने और समझने के लिए दुनिया कीजिज्ञासा बढ़ रही है। हमारी भूमिका और जिम्मेदारी भी इससे बढ़ गई है। हमें आयुर्वेद के मूल भाव को बनाए रखने के लिए सतर्क रहना होगा। जब हमारी सरकार फिर से बनी, तो हमने संकल्प लिया कि 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज खोलेंगे। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। हमारे पास 55 सरकारी जिले हैं, 56 मेडिकल कॉलेज हैं। अब 11 और जोड़ने से यह संख्या 67 हो जाएगी। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं। नई शिक्षा नीति 2020 लागू होने के बाद, एक ही विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के कोर्स पढ़ाने की अनुमति दी गई है। आयुर्वेद में काम करने वाले सभी संस्थानों को हम उज्जैन में भूमि उपलब्ध कराएंगे।

कविता खन्ना ट्रिपल आईटी भोपाल के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस की चेयरपर्सन नियुक्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समाज सुधारक एवं पर्यावरणविद कविता खन्ना को राष्ट्रपति ने ट्रिपल आईटी भोपाल के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हाल ही में कविता खन्ना को ट्रिपल आईटी भोपाल के बोर्ड ऑ? गवर्नर्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, बीओजी, आईआईआईटी सोनीपत के रूप में उनकी भूमिका के साथ, आईआईआईटी भोपाल में बीओजी अध्यक्ष के रूप में किया गया है। खन्ना, चार बार के सांसद रह चुके एवं हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने कलाकार स्वर्गीय विनोद खन्ना की पत्नी हैं एवं कविता एंड विनोद खन्ना फाउंडेशन की ट्रस्टी भी हैं। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की पूर्व छात्र रह चुकीं, खन्ना ने बैरिस्टर ऑफ लॉ फ्रॉम लिंकस इन् की उपाधि प्राप्त की है। ट्रिपल आई टी भोपाल के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कविता खन्ना की ट्रिपल आईटी भोपाल के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस का चेयरपर्सन नियुक्त होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कविता खन्ना के वृहद अनुभव से ट्रिपल आई लाभान्वित होकर आई टी शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपना योगदान देता रहेगा।

खदान में गिरकर किसान की मौत, कलेक्टर को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के सात मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला खदान में भरे पानी में गिरकर किसान की मौत होने का है। मामला राजधानी भोपाल के सूखी सेवनिया क्षेत्र का है। मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष ने कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, सूखी सेवनिया क्षेत्र में किसान फसल में पानी देने के दौरान खदान से पानी खींचने लगा, तभी अचानक किसान का पैर फिसल गया और वह खदान में भरे पानी में गिरकर उसमें डूब गया और इस कारण किसान की मृत्यु हो गई।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने जिजमाता सम्मान समारोह में कहा–

केंद्र बदलेगा खेल नीति: खेल कोटा में नौकरी ज्वाइन करने वालों को खिलाड़ी तैयार करने होंगे

खेल कोटे के जरिए नौकरी में आने वाले खिलाड़ियों से रेलवे में टिकट नहीं कटवाएंगे पीएम मोदी ने स्वास्थ्य अमले के उत्साह के लिए बजवाई थी थाली और ताली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

खेल कोटे के जरिए नौकरी में आने वाले खिलाड़ियों से रेलवे जैसे संस्थानों में टिकट नहीं कटवाएंगे, बल्कि उनकी मदद देश में खिलाड़ी तैयार करने में लेंगे। ये बदलाव खेल नीति में करेंगे। इसके अलावा भी व्यापक स्तर पर कई बदलाव देने को मिलेंगे। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भोपाल के रवींद्र भवन में यह बात कही। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित जिजामाता सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

एक जिले में 100 खिलाड़ी तैयार करेंगे

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि एक जिले में 100 खिलाड़ी तैयार करेंगे। परंपरागत खेलों को देश के अंदर तो बढ़ावा देना शुरू कर चुके हैं, अब वैश्विक स्तर पर भी परंपरागत खेलों को बढ़ावा दिलाएंगे। आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर होने वाले खेल आयोजनों में मेडल जीतने वाले टॉप देशों में भारत भी शामिल होगा। हम नीचे से नहीं, उपर से गिने जाएंगे।

खिलाड़ी तैयार करने वाली माताओं का किया सम्मान

यह सम्मान खेलों को बढ़ावा देने के लिए किया गया। जिसमें प्रमुख खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 राष्ट्रीय खिलाड़ियों की माताओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री चेतन्य काश्यप, विश्वास सारंग व अन्य ने सम्मानित किया।

माताओं का सम्मान कर रहे, वैसे चिकित्सकों के सम्मान में बजवाई थी ताली व थाली

केंद्रीय मंत्री मंडाविया खिलाड़ियों के माता–पिता व परिवार के सदस्यों का उत्साह बढ़ाने की बात कह रहे थे। तभी उन्होंने कोरोना महामारी नियंत्रण का जिक्र करते हुए कहा कि तब दूसरे कुछ देश के लोग कहते थे कि इतनी बढ़ी जनसंख्या वाला भारत किसी भी हाल में कोरोना नियंत्रण नहीं कर सकता। ये बातें दूसरे देशों के प्रतिनिधियों ने खुद मुझसे चर्चाओं में कही थी लेकिन हमने हार नहीं मानी। जिस तरह आज हम जिजमाता सम्मान समारोह में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान कर उनका हौंसला बढ़ा रहे हैं, ठीक महामारी में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने और जान जोखिम में डालने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों का थाली, ताली और दीपक जलाकर उत्साह बनाए रखने की बात कही थी।

युवाओं को नशे से दूर रखना, समाज की जिम्मेदारी: होसबाले

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि एक सैनिक और खिलाड़ी किसी भी कोने से आये हों, किसी भी जाति–भाषा के हों, लेकिन वे देश के होते हैं। सैनिक लड़कर और खिलाड़ी देश के लिए मेडल जीतकर गौरव का अहसास कराते हैं इसलिए दोनों के परिवार का सम्मान करना चाहिए। आज के समय में ध्यान आ रहा है कि युवाओं के जीवन में गलत आदतें आ रही हैं। मोबाइल फोन ने उनकी चंचलता को बढ़ा दिया है इसलिए परिवार की जिम्मेदारी है कि युवाओं को सकारात्मक वातावरण दें।

संपादकीय

नया वेतन आयोग और अर्थव्यवस्था

केंद्र सरकार ने जब से आठवें वेतन आयोग को मंजूरी देने का ऐलान किया है तब से ही स्वाभाविक ही सरकारी कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ रही है। कई कर्मचारी संगठन इसे लेकर कई तरह की राय देने लगे हैं तो केंद्र के फैसले के बाद राज्य की सरकारों पर भी अपने कर्मचारियों के वेतन भत्ते बढाने का दबाव बढ गया है। हालांकि यह बात भी सही है कि आयोग के फैसले लागू होने से अर्थव्यस्था को भी सहारा मिलेगा, जो खासतौर पर पिछली दो तिमाहियों से कुछ संघर्ष करती दिख रही है। लेकिन इन बातों के साथ नौकरशाही और सरकारी अमले को लेकर कुछ चिंताएं भी हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि देश में सरकारी तंत्र के जरिए जनकल्याण की स्कीमों को लागू कर आम लोगों के जीवन में क्वॉलिटी लाने वाले कर्मचारियों का वेतन भी संतोषजनक होना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि महत्वाकांक्षी और योग्य युवाओं की दिलचस्पी इन सेवाओं में बनी रहनी चाहिए। सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी इस लिहाज से भी जरूरी होती है कि इससे अर्थव्यवस्था में मांग को मजबूती मिलती है। यह बात इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि भारतीय इकॉनमी में खपत का योगदान 60 फीसदी के करीब है। इधर, अर्थव्यवस्था में मांग अपेक्षा के मुताबिक नहीं बढ़ रही है। ऐसे में आशा है कि जब आयोग के फैसले लागू होंगे तो उससे अर्थव्यवस्था में डिमांड को मजबूती देने में मदद मिलेगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि अगर देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ना है तो बड़े सुधार टाले नहीं जा सकते। इनमें भूमि और श्रम सुधारों के साथ नौकरशाही पर बढ़ते खर्च पर लगाम लगाने की जरूरत को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। मगर पहले ही सरकारी कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन के खर्च का बोझ इतना ज्यादा है कि सरकार के लिए खाली पदों को भरना एक चुनौती है। सरकारी सेवाओं का आकर्षक बने रहना जरूरी है, लेकिन ऐसी स्थिति भी ठीक नहीं कि पढ़े-लिखे और योग्य युवा महज सरकारी नौकरी के इंतजार में अपने कीमती साल घर बैठे बर्बाद करने में समझदारी मानने लगें। एक तरफ जॉबलेस ग्रोथ और दूसरी तरफ सरकारी भर्तियों पर अघोषित रोक से हालात गंभीर हो सकते हैं। ऐसे में खास तौर पर जरूरी हो जाता है कि ऐसा कोई भी फैसला करते समय जल्दबाजी न की जाए। बल्कि उन सभी पहलुओं पर सावधानी से विचार करते हुए संतुलित नजरिया अपनाकर आगे बढ़ा जाए जो आने वाले कई वर्षं की सूरत बनाते हैं। मगर खास बात यह है कि कुछ ही महीने पहले सरकारी कर्मचारियों की पेंशन को लेकर भी खासा बवाल हो चुका है। क्योंकि सरकार रिटायरमेंट के बाद पेंशन बंद करना चाहती है और यह मामला तकरीबन बीस साल पुराना भी है। क्योंकि सरकार के खजाने पर कई तरह के बोझ इससे पड रहे हैं। तब केंद्र ने नई पेंशन स्कीम पेश करके कर्मचारियों की विकल्प चुनने का मौका दिया था। फिलहाल कर्मचारी जगत भी खुश है विशेषज्ञ भी अर्थव्वयस्था को नई राह पर जाता देख रहे हैं। हालांकि नये वेतन आयोग को अ?भी अपना काम करना है और इस पर राय आदि देने के बाद सरकार को ठोस फैसला भी करना है यानि अभी नया वेतन प्रभावी होने में समय है लेकिन यह समय व्यापक मंथन का भी है।

प्रसन्नता स्वास्थ्य है,
उदासी रोग है।
- हाती बर्टन

लव जिहाद के असली मायने

■ अमिताभ दुबे

अंग्रेजी और अरबी भाषा के अवैध मिलन से एक 'वर्णशंकर' फ्रेज ,'लव जिहाद' का आविष्कार कर पिछले एक दशक से खूब प्रसारित किया जा रहा है मदमस्त धृतराष्ट्रों द्वार,और आज के राजनैतिक परिदृश्य में एक विचारधारा विशेष द्वारा इसे जर्सी गाय जैसा दुधारू समझा जा रहा है।जिस संदर्भ में यह इसका प्रयोग करते है उसका इन दोनों शब्दो के मूल शाब्दिक अर्थ से दूर दूर तक कोई नाता नही। बालीवुड की कृपा से अंग्रेजी 'लव' का अर्थ हर भारतीय जानता है। 'जिहाद' एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है कुछ अच्छा और जायज प्राप्त करने हेतु संघर्ष करना, मेहनत , मशक्कत करना,युद्ध करना। सो दोनो को जोड़कर असली अर्थ बनता है अपने प्रेम को पाने के लिए संघर्ष,मेहनत,मशक्कत, युद्व करना और भारत के संदर्भ में प्रेमी , प्रेमिका को यही करना पड़ता है। जाति व्यवस्था में बटे रूढ़िवादी भारतीय मध्यम वर्ग में दहेज लोलुप लड़के का बाप और नाकवाला लड़की का बाप अपने बेटे, बेटियों के विवाह को अपना प्रेरोगेटिव (परमाधिकार) समझते है। सामाजिक सम्मान के नाम पर अपनी ही औलाद को मारकर आनर किलिंग जैसा बब्बर कृत्य इसी देश मे होता है। अतः इस राष्ट्र के सभी प्रेमी जोड़े एक बहादुर लव जिहादी है और शीरी-फरहाद, रोमियो-जूलिएट और लैला-मजनू की परंपरा के महान प्रतिनिधि है। एक आम भारतीय फिल्म की थीम भी इसी लव जिहाद के आसपास घूमती है।बिडम्बना यह है कि वही मां- बाप इन फिल्मों को रस लेकर देखते है और सुखद मिलन पर ताली बजाते है और दर्दनाक अंत पर आंसू बहाते हाल से बाहर निकलते है। और जब इनके ही बेटे, बेटी प्रेमी/प्रेमिका बन जाए तो यह फ़िल्म के खलनायक बन जाते है । अपने देश मे प्रेमी जोड़ों को चार वर्गो में बांटा जा सकता है- इंट्रा कास्ट, इंटर कास्ट, इंटर फेथ और इंटर एथिनिक। पहले वर्ग में सजातीय साथी होने पर भी जिहाद करना पड़ता है लेकिन थोड़ा कम क्यो कि अपने देश मे प्रेमी/प्रेमिका बनना हेय दृष्टि से देखा जाता है और लड़के के बाप की दहेज हेतु बार्गेनिंग पावर भी खत्म हो जाती है। बाकी के तीन वर्गो में जिहाद उत्तरोत्तर कठिन होता जाता है। अरे बैल बुद्धि भगवान का शुक्र करो कि आपकी संताने विपरीत लिंग से प्रेम करती है और विवाह करना चाहती है। पथभ्रष्ट समलैंगिक या लिव इन वाले/वाली तो नही निकली न ! अतः खुशी खुशी उन्हें दूधो नहाओ, पूतो फलो का आशीर्वाद दो। मैंने अपने साढ़े छह दशक के जीवन मे लव जिहाद का यही अर्थ देखा है,वह कहीं नही जो अंधभक्तो की व्हाटसउपिया पोस्ट में रहता है। सो भन्ते, यही कहूँगा, अप्प दीपो भव। बुद्ध का यह अंतिम संदेश आज पहले से अधिक प्रासंगिक है।

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

निशाना

हम भी करें प्रहार !

-कृष्णेन्द्र राय

दो हमको अधिकार ।
लड़नी और लड़ाई ।।
करते आए, करना है ।
आप की भलाई ।।
दे दो इतनी सीटें ।
हम भी करें प्रहार ।।
और प्यार बरसा कर ।
पहनाओ फिर हार ।।
डाल रहे वो बाधा ।
करते जो भी काम ।।
वादा है निभाया ।
किए जो तमाम ।।
ना रूकना है हमको ।
यूं ही चलते जाना ।।
भले पूर्व में हमने ।
है भरा हर्जाना ।।

मुफ्त की होड़ में दिल्ली के बुनियादी मुद्दे गायब?

■ ललित गर्ग

सड़क से लेकर सीवर तक, पर्यावरण से लेकर विकास तक दिल्ली के बुनियादी मुद्दे की जगह मुफ्त की सुविधाओं की होड़ ने दिल्ली के चुनाव को जिन त्रासद दिशाओं में धकेला है, वह न केवल दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिये एक चिन्ता का बड़ा सबब बन रहा है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी -तीनों दलों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी किए हैं लेकिन उसमें दिल्ली से जुड़े जरूरी एवं बुनियादी मुद्दों के स्थान पर नगद एवं मुफ्त की सुविधाओं के ही अंबार लगे हैं। दिल्ली चुनाव में अधिकांश बहस तरह-तरह की मुफ्त सुविधाओं की अप्रासंगिक और अवांछित विषयों पर केंद्रित है। जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे देश की राजधानी के चुनाव में इससे बेहतर की उम्मीद थी। चूंकि जरूरी मुद्दें नहीं उठ रहे हैं इसलिए भाषा भी निम्नस्तरीय बनी हुई है, दोषारोपण एवं छिद्रान्वेषण ही हो रहा है।

राजनीतिक दलों द्वारा अप्रासंगिक मुद्दों पर बात करने की एक खास वजह चुनावों की प्रक्रिया में मुफ्त की सुविधाएं एवं नगद राशि का बढ़ता आकर्षण है। भाजपा दिल्ली को विकसित एवं अत्यंत आधुनिक राजधानी बनाना चाहती है तो उसके लिए यह अवसर था कि वह अपनी भावी योजनाओं और भविष्य के खाके पर बात करती, लेकिन वह भी महिलाओं एवं मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये बढ़-चढ़कर मुफ्त संस्कृति का सहारा ले रही है। कांग्रेस के लिए यह मौका था कि वे उन क्षेत्रों को रेखांकित करती जिनमें आप सरकार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे मतदाताओं के समक्ष बेहतर विकल्प भी प्रस्तुत कर सकती थी। कांग्रेस को चाहिए था कि वह शीला दीक्षित के दौर में हुए दिल्ली के विकास को चुनावी मुद्दा बनाती, दिल्ली को पेरिस बनाने की बात को बल दिया जाता, लेकिन उसका प्रचार अभियान मुफ्त की सुविधओं के इर्दगिर्द ही घूम रहा है, जो एक विडम्बना एवं त्रासदी ही है।

यह दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली चुनाव में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है जो दिल्ली की बड़ी समस्याओं का समाधान करता हो। दिल्ली के मतदाताओं को मोटे तौर पर व्यक्तिगत हमले सुनने को मिल रहे हैं और ऐसे मुद्दों पर बात हो रही है जो दिल्ली को आगे ले जाने वाले एवं विकसित राजधानी बनाने वाले नहीं हैं। भारत को तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर

अग्रसर देश की राजधानी के चुनाव को इसके लिए पूंजी, पर्यावरण और ऊर्जा की टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहना चाहिए। इससे जुड़ा एक मसला रोजगार तैयार करने का है। सबसे अहम मुद्दा दिल्ली का विकास एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश का है। लेकिन सभी राजनीतिक दल इन मुद्दों से हटकर फ्री की सुविधाओं पर ही केन्द्रित है, भला दिल्ली में अच्छे दिन कैसे आयेंगे एवं विकास की तस्वीर कैसे बनेगी? कभी-कभी लगता है समय का पहिया तेजी से चल रहा है जिस प्रकार से घटनाक्रम चल रहा है, वह और भी इस आभास की पुष्टि करा देता है। पर समय की गति न तेज होती है, न रुकती है। हां चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आ गई है, लेकिन जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों पर एक गहरा मौन पसरा है। न गरीबी मुद्दा है, न बेरोजगारी मुद्दा है। महंगाई, बढ़ता भ्रष्टाचार, बढ़ता प्रदूषण, राजनीतिक अपराधीकरण एवं दिल्ली का विकास जैसे ज्वलंत मुद्दे नदारद हैं।

दिल्ली की मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि मुफ्त की संस्कृति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है लेकिन फिर भी अनपढ़ एवं गरीब मतदाता फ्री की सुविधाओं पर सोचता है और अक्सर उसी आधार पर वोट देता है। जबकि एक बड़ा मतदाता वर्ग ऐसा भी है जो उन्नत सड़के, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर देखना चाहता है। उसके लिये यमूना में बढ़ता प्रदूषण भी चिन्ता का एक कारण है। समय पर जल आपूर्ति न होना भी उसकी समस्याओं में शामिल है। चूंकि मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग योग्यता और व्यापक जनहित के मुद्दे पर नहीं करता, इसलिए वह मुफ्त की संस्कृति में डूबा है। इसलिये उसके जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आता है, विकास तो बहुत पीछे रह जाता है।

सब दल और उनके नेता सत्ता तक येन-केन-प्रकारेण पहुंचना चाहते हैं, लेकिन जनता को लुभाने के लिये उनके पास बुनियादी मुद्दों का अकाल है। जबकि दिल्ली अनेक समस्याओं से घिरी है, लेकिन इन समस्याओं की ओर किसी भी राजनेता का ध्यान नहीं है। बेरोजगारी एक विकट समस्या है, पर क्या कारोबार और निजी उद्यमों को बढ़ाए बिना केवल सरकारी नौकरियों के सहारे दिल्ली के युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है? क्या सरकारी नौकरियां ही रोजगार हैं? क्या आप अपने कारोबार में किसी को उसकी उत्पादकता की परवाह किए बिना नौकरी पर रखना चाहेंगे? मगर सरकारी नौकरियों में यही होता है। क्या यह आम जनता के करों के पैसे का सही उपयोग है? जनता के मतों का ही नहीं, उनकी मेहनत की कमाई पर लगे करों का भी जमकर दुरुपयोग हो रहा है। राजनेताओं द्वारा चुनाव के दौरान मुफ्त बांटने की संस्कृति ने जन-धन के दुरुपयोग का एक और रास्ता खोल दिया है।

हमारे चुनावी लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडम्बना यही है कि बुनियादी मुद्दों की चुनावों में कोई चर्चा ही नहीं होती। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा, महिलाओं के खातों में नगद सहायता पहुंचाने से लेकर कितनी तरह से मतदाता को लुभाने एवं लूटने के प्रयास होते हैं। न हवा शुद्ध, न पानी शुद्ध, सड़कों पर गड्ढे- इनके कारणों की कोई चर्चा नहीं। आप सरकार के दावों के बावजूद दिल्ली की शिक्षा एवं चिकित्सा की हालत जर्जर है। डिस्पेंसरियों, अस्पतालों और सफाई संस्थानों में जो धांधलियां हैं, उसके जिम्मेदार कौन है? क्या कोई उन्हें सुधारने की समयबद्ध योजना की बात करता है? आजादी का अमृत महोत्सव मना चुकी दिल्ली की इन दुर्दशाओं के कारण क्या है? क्या चुनाव में इन मुद्दों पर चर्चा होती है? क्या कोई बाबुओं और नौकरों की फौज पैदा करने वाली बेकार शिक्षा प्रणाली को सुधारने, निजी कारोबारों और रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने की बात करता है? कभी सोचा है, क्यों नहीं? क्योंकि चुनाव राष्ट्र को सशक्त बनाने का नहीं बल्कि अपनी जेबें भरने का जरिया बन गया है।

इस बार की दिल्ली की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं।' दिल्ली के सिंहासन को छूने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल चुनाव जीतने की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा दिल्ली भुगत रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे। क्योंकि पार्टियां और उम्मीदवार विकास करने, समता एवं सौहार्दमूलक समाज बनाने, नयी दिल्ली निर्मित करने और जाति, मजहब और वर्गो के आधार पर चले आ रहे विभाजन को पाटने के बजाय लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ उकसाने, धर्म एवं जाति के आधार पर नफरत एवं द्वेष की दीवारे खिंचने, असुरक्षा की भावना पैदा करने और अपना राजनीतिक भविष्य सुनिश्चित करने की जुगत में रहते हैं। इन जटिल एवं ज्वलंत हालातों में किस तरह लोकतंत्र मजबूत होगा? चुनाव आयोग के निर्देश, आदेश व व्यवस्थाएं प्रशंसनीय हैं, पर पर्याप्त नहीं हैं। इसमें मतदाता की जागरूकता, संकल्प और विवेक ही प्रभावी भूमिका अदा करेंगे। क्योंकि चयन का विकल्प लापता/गुम है। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकाल कर ही दिल्ली के चुनाव को सकारात्मक स्वरूप प्रदान किया जा सकता है, दिल्ली को दुनिया की बड़ी राजधानियों की तुलना में खड़ा किया जा सकता है। लेकिन 2025 के विधानसभा चुनाव में ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है, उसकी खोज लगता है अभी प्रतीक्षा कराएगी।

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

'इमरजेंसी': इतिहास नहीं, बेईमान भड़ास!

■ ओम थानवी

मैं उस घोषित इमरजेंसी का घनघोर निंदक था। आज भी हूँ। जब कंगना ने अनेक पत्र-पत्रिकाओं में उनकी फ़िल्म की प्रशंसा की सूची दी तो संदेह के वशीभूत 'इमरजेंसी' देखने यह सोचते हुए गया कि फ़िल्म को फ़िल्म की तरह देखूँगा। लेकिन यह सरासर बेईमान फ़िल्म निकली। निर्देशक कंगना रनौत (अब भाजपा सांसद) की अपनी राजनीतिक भड़ास। इंदिरा गांधी को आरम्भ में 'सम्मानित नेता' बताकर निरंतर कलंकित करने की कोशिश।

कहना न होगा कि इस फेर में कंगना ने फिल्म जगत को ही कलंकित किया है। वे तथ्यहीनता की हदें लांघ गई हैं। इमरजेंसी के बहाने नेहरू, विजयलक्ष्मी, फ़ीरोज़ गांधी, पुपुल जयकर, निक्सन, जॉर्ज पोंपीदू, मुजीबुर्रहमान, मानेकशॉ, रामन्ना, जे कृष्णमूर्ति आदि के बीच 'इन्दु' को संकीर्ण, ख़ुदगर्ज़, झगड़ालू ही नहीं, षड्यंत्रकारी तक बता डाला है। कहीं उनमें करुणा झलकती दिखा भी दी तो आगे चालाकी उसे कुटिलता की ओर मोड़ दिया। हाँ, अतिरंजना (जो पूरी फ़िल्म में भरी पड़ी है) के बावजूद संजय गांधी की बुराइयों का बचाव कोई नहीं कर सकता। उनका समांतर सत्तारूप कमोबेश ऐसा ही था। उनकी सनक ने ज़्यादतियों का अंबार खड़ा कर दिया। मीडिया ही नहीं, हर तरह की स्वाधीन अभिव्यक्ति को दबा दिया गया। लेकिन उनकी मौत की उड़ान को माँ की डाँट से जोड़ना छिछला काम है। यों चित्रित किया है मानो स्मृतिदृश्यों की विचलित अवस्था में उन्होंने विमान का नियंत्रण खो दिया।फ़िल्म में 'इंदिरा इज़ इंडिया इंडिया इज़ इंदिरा' देवकांत बरुआ नहीं कहते, इंदिरा गांधी ख़ुद अपने बारे में बुदबुदाती हैं। धीरेंद्र ब्रह्मचारी फ़िल्म में नहीं, पर जे कृष्णमूर्ति को इतना क़रीब बता दिया जो कि वे कभी न थे। और तो और एक जगह कृष्णमूर्ति भी कह रहे हैं

'इंदिरा इज़ इंडिया'। यह तो बेवक़ूफ़ी भरे चित्रण की इंतिहा हुई। हिंसा का चित्रण अपार है। त्रिपुरा हो चाहे इमरजेंसी। जॉर्ज फ़र्नांडीज़ को जेल इस तरह पीटा गया, या विपक्षी नेता – राजनीतिक बंदी – जेल में तीसरे दर्जे के अपराधियों सा जीवन बिता आए कभी सुना नहीं। जेपी तो पीजीआई, चंडीगढ़ में भरती रखे गए थे। रघु राय ने वहाँ उनकी अनेक तस्वीरें खींची थीं।

बायोपिक में अंत में तथ्यों की (अगर हों) तो संदर्भ-सूची देनी चाहिए। हालाँकि झूठ ज़्यादा समय टिकता नहीं। पर अंदाज़ा लगाइए कि जिस पीढ़ी को देश के अतीत के बारे में ज़्यादा नहीं पता, वे इसे 'इतिहास' समझकर अपना कितना नुक़सान करेंगे। हैरानी की बात नहीं कि निर्देशक के नाते कंगना ने निराश किया है। जरा सोचिए, जेपी, वाजपेयी, मानेकशॉ गाना गाते हुए कैसे लगते होंगे।

कलाकारों का चुनाव भी सही नहीं है। कंगना अच्छी अभिनेत्री रही हैं। पर चरित्र को निभाने में बिखर गईं। मेकअप वालों ने नाक मिला दी, पर क़द-काठी कहाँ से लाते। आवाज़ तो उनकी यों है जैसे होठों में फ़ेविकोल लगा हो।अनुपम खेर ने ज़रूर जेपी की भूमिका बेहतर निभाई है। सतीश कौशिक (अब नहीं रहे) तो जगजीवन राम की भूमिका में सर्वश्रेष्ठ कहे जा सकते हैं। हालाँकि उनके संवादों में जो है, वह पटकथा का झूठ है। वाजपेयी के रूप में श्रेयस तलपड़े कार्टून लगते हैं। विशाक नायर (संजय गांधी), मिलिंद सोमण (मानेकशॉ) और महिमा चौधरी (पुपुल जयकर) जम गए। एक दृश्य में अतिथि भूमिका में मेरे मित्र अरविंद गौड़ भी दिखाई दिए, जो कंगना के गुरु रहे हैं। बालकृष्ण मिश्र एमएफ़ हुसेन हैं, जिन्होंने श्रीमती गांधी को शेर पर सवार 'दुर्गा' चित्रित कर दिया था। आगे जाकर कांग्रेस ने ही उन्हें देश छोड़ने को विवश किया।

सबसे बड़ा सरदर्द है फ़िल्म का 'संगीत'। अनवरत शोर है, मानो हर घड़ी जंग के नगाड़े बज रहे हों। हाँ, यह बताना तो भूल ही गया कि सिनेमाघर लगभग ख़ाली पड़ा था। हमारे आगे की सीटों पर तो एक भी दर्शक नहीं था। द्वारपाल से पूछा तो उसने बताया कि यही हाल पिछले 'शो' का था। (यह फ़िल्म की समीक्षा नहीं, अपने अनुभव का फ़ौरी साझा भर है।

(ओम थानवी के फ़ेसबुक पेज से साभार)

नागरिकों ने नपा के सामने रखे सुझाव और समस्याएं

जनसंवाद कार्यक्रम में हुआ तय नगर में बनेगा सांस्कृतिक भवन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर विकास के लिए एलबीएस कॉलेज में जन संवाद कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, व्यापारियों ने सुझाव एवं समस्याएं बताईं। जिन पर शीघ्र अमल करने और तीन माह बाद पुनः जन संवाद कार्यक्रम रखने की बात विधायक हरि सिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव सहित अन्य पार्षदों ने कही।

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने बताया कि नगर में सांस्कृतिक भवन का निर्माण हो। नगर पालिका परिषद बहुत अच्छा काम कर रही है और जल्द से जल्द हम इस सांस्कृतिक भवन का निर्माण भी कर लेंगे। इससे पूर्व सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने नगर पालिका परिषद द्वारा अभी तक कराए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चारों ओर सीसी निर्माण, पुलिया निर्माण, पुल निर्माण, डामरीकरण, नए बायपास मार्ग, सुअरों से मुक्ति, दोनों समय जलप्रदाय, अतिक्रमण हटाओ मुहिम, पाराशरी सौंदर्यीकरण सहित अन्य विकास कार्य प्रमुखता के साथ कराए गए। विधायक रघुवंशी ने कहा कि जल्द सब्जी व्यापारियों को जगह उपलब्ध करा दी जाएगी। ताकि वे अपना व्यवसाय सही तरीके से कर सके। सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश के लिए भी जगह देख ली गई है। नवीन शासकीय चिकित्सालय में सारी सुविधाएं उपलब्ध हो सके इसके लिए प्रयास करूंगा। इसके अलावा रजोदा के नवीन खेल परिसर को जल्द चालू करवा दिया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नारा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। ठीक उसी तर्ज पर मैं जनता से कहती हूं कि जनता हमें सुझाव दें हम विकास करेंगे और समस्याएं निपटाएंगे। नपा अध्यक्ष यादव ने कहा कि क्लब पार्क के अंदर चौपाटी बाजार बनवा दिया जाए। ताकि सड़कों पर ठेला लगाने वाले भाइयों को एक निश्चित जगह मिल सके और नागरिकगण अपने परिवार के साथ चौपाटी बाजार का आनंद उठा सकें। नपा अध्यक्ष के इस प्रस्ताव पर सभी ने तालियां बजाकर अभिवादन किया।

जन संवाद में सुझाव

- गुमठी माफिया को हटाया जाए और नगर में उप बाजार स्थापित किए जाएं।
- वार्ड क्रमांक 6 और 7 में पुलिया का निर्माण कराया जाए। बरेठ रोड पर जल्द पोल शिफ्टिंग की जाए और डिवाइडर बनाकर बन वे रोड की व्यवस्था कराई जाए।
- व्यापारियों को धूप एवं पानी से बचने के लिए 5 फुट केंची नुमा टीन शैड लगाने की अनुमति दी जाए। बैंकों को नोटिस देकर पार्किंग व्यवस्था व्यवस्थित कराई जाए। मुख्य सड़कों पर शौचालय बनवाए जाएं।
- नपा द्वारा लिए जाने वाले टैक्स की दरें सुनिश्चित की जाकर उसकी सीमा तय किया जाए।
- नगर में मीट बाजार स्थापित करने की दिशा में कदम उठाए जाएं।
- पोस्ट ऑफिस विश्रामगृह की जगह का सदुपयोग करने के लिए उन्हें अपने अधिग्रहण हेतु प्रयास किए जाएं।
- एससी एसटी वर्ग के लोगों और उनके वार्डों में अधिक से अधिक विकास कार्य कराए जाने पर ध्यान दिया जाए।
- सीमा वृद्धि के बाद अधिक से अधिक इलाकों को वार्डों में शामिल किया जाए।
- नवीन बस स्टैंड पर पुलिस चौकी एवं पुरानी बस स्टैंड पर शॉपिंग कंपलेक्स बनवाए जाने की भी मांग की गई।

नर्मदा जयंती पर मुख्यमंत्री को नर्मदापुरम आने का दिया न्योता..

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

इस वर्ष 4 फरवरी को नर्मदा जयंती पर नर्मदापुरम में होने वाले दीपोत्सव एवं जलमंच से पूजन अभिषेक के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए क्षेत्र के विधायक एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कार्यक्रम में शामिल होने पर सहमति जताई है। नर्मदापुरम के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह को भी नर्मदा जयंती महोत्सव का आमंत्रण दिया । नर्मदा महाआरती समिति के अध्यक्ष प्रशांत दुबे मुन्नू ने बताया कि नर्मदा जयंती महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम माघ शुक्ल सप्तमी दिनांक 4 फरवरी मंगलवार को शाम 5 बजे से शुरू होगा। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी, मण्डल अध्यक्ष सागर शिवहरे , जय किशोर चौधरी , राहुल चौरे, मयंक महतो उपस्थित थे।

दीक्षित राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के संयुक्त महासचिव नियुक्त

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुर्वेदी एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रवेश मिश्रा ने नर्मदा पुरम के सामाजिक कार्यकर्ता अरुण दीक्षित को राष्ट्रीय विप्र एकता मंच का प्रांतीय संयुक्त महासचिव नियुक्त किया. वही सर्व समाज जन सेवक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल यादव द्वारा दीक्षित को सर्व समाज जन सेवक संगठन का संभागीय अध्यक्ष बनाया गया. दीक्षित की इस नियुक्ति पर सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अशोक दीबोलिया ललित यादव मोहम्मद अकरम खान महेश शर्मा डॉ सुरेंद्र जीत सिंह डॉ प्रदीप जैन फादर विलियम मसीह डॉ मोहम्मद आदिल फाजली ओमप्रकाश तिवारी संजीव शर्मा बद्री प्रसाद कोरव ओमप्रकाश मालवीय नंदकिशोर यादवआशीष तिवारी रमेश सोनी के के शर्मा डॉ मयंक तोमर कृष्णा चौहान लव जैन संजीव पाठक गोविंद दीक्षित राजेश मिश्रा शालिनी दिक्षित ज्योति दीक्षित जय बाला निगम किरण शर्मा सुशीला वरगले सहित विभिन्न संगठनों द्वारा अरुण दिक्षित को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की.

सांसद एवं नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सोमवार को सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजनों से मुलाकात की. भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला ने बताया कि इस दौरान सांसद एवं जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को सुना, जिनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है । उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने सभी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि पार्टी के सभी कार्यक्रमों और उद्देश्यों को ज़मीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी।

तेंदूखेड़ा प्रीमियर लीग में गुरूदेव क्रिकेट क्लब ने जीता रोमांचक फाइनल मैच

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेन्दूखेड़ा प्रीमियर लीग-2025 (टीपीएल) क्रिकेट नाईट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गुरूदेव क्रिकेट क्लब ने जीता लिया। उत्कृष्ट विघालय मैदान में फाइनल के लिए अमित टेंट एवं गुरूदेव क्रिकेट क्लब के बीच मुकाबला खेला गया। 12 ओवर के निर्धारित फाइनल मुकाबले में अमित टेंट की पूरी टीम 10.1 ओवर में 40 रन बनाकर आलआउट हो गई।

अमित टेंट क्रिकेट क्लब अब तक का सबसे कम स्कोर था। जबाव में उतरी गुरूदेव क्रिकेट क्लब ने 6.5 ओवर में 1 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर फाइनल मुकाबला जीत लिया। हर्षित खरे ने 3 ओवर में 4 विकेट लिए जिन्हें मैन आफ द मैच चुना गया जिसके लिए 2 हजार 100 रूपए नगद एवं ट्राफी प्रदान की गई।

राज्यमंत्री धमेंद्र सिंह लोधी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम षिवहरे ने जीत की राषि 31 हजार एवं ट्राफी गुरूदेव क्रिकेट क्लब के आंनर राजीव जैन रसिया एवं टीम के कप्तान हर्षित खरे को प्रदान की साथ ही उपविजेता टीम के आंनर अमित साहू एवं कप्तान विदित तोमर को 21 हजार नगद एवं ट्राफी प्रदान की गई। इसके अलावा यूट्यूब के माध्यम से मैच का लाइव प्रसारण किया गया। सोमवार शाम 5 बजे से गुरूदेव क्रिकेट क्लब के द्वारा उत्कृष्ट विघालय मैदान से जीत का जुलूस निकाला गया जिसमें डीजे एवं फटाखों के साथ नगर के लोगों ने टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों की सराहना की।

स्वच्छता केवल सफाई नहीं, बल्कि एक संस्कार है

गंज बासौदा। साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 के तहत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि उत्सवों के दौरान, हमारी आस्था और उल्लास पूरे समाज में देखने को मिलती है। लेकिन उत्सव के बाद पीछे छोड़ा गया कचरा न केवल नदियों के साथ साथ पर्यावरण को दूषित करता है, बल्कि हमारी जिम्मेदारी और संस्कारों पर भी प्रश्न चिह्न पैदा करता है। नगर के कुछ लोग पिछले चार साल ने निरंतर नदियों के घाटों पर पहुंच कर नदी के प्रवाह क्षेत्र एवं किनारों से कचरा साफ कर रहे। उसके विपरीत हमारे अपने शहर के लोग गैर जिम्मेदाराना तरीके बिना किसी शर्म के नदी के किनारे पर घरों का कचरा, डायपर, विभिन्न प्रकार के कपड़े, बाल आदि फेंक रहे है। आज हमारे समाज और नगर के लोगों को समझना होगा कि स्वच्छता केवल एक भौतिक कार्य नहीं, बल्कि यह मानसिकता और संस्कार का प्रतीक है। गौर करने वाली बात यह है हमारे अपने शहर के लोग हमारी अपनी जीवन दायिनी बेतवा नदी को प्रदूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे और दूसरी ओर दूसरे शहर के निवासी फीडबैक फाउंडेशन के सदस्य प्रमोद पाठक निरंतर बेतवा नदी स्वच्छता कार्यक्रम में हिस्सा बन कर नगर के लोगों के समक्ष प्रेरणा की मिशाल पेश कर रहे है। प्रमोद पाठक से हमारे नगर और समाज को सीखना होगा कि बेहतरी के लिए केवल शिकायत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक कदम बढ़ाकर बदलाव की शुरुआत करना भी जरूरी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति यह तय कर ले कि वह अपने हिस्से का कचरा सही तरीके से निपटाएगा और दूसरों को प्रेरित करेगा, तो हमारी नदियां, सड़के, और हरियाली स्वच्छ और सुंदर बनी रहेंगी।

तवा नगर में नेत्र शिविर आयोजित सैकड़ों ग्रामीण पहुंचे जाँच कराने

■ सैकड़ों नेत्र रोगियों ने उठाया शिविर का लाभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को तवा नगर पंचायत भवन रानीपुर विकास खंड केसला में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण जनो की मांग पर संभागायुक्त कमिश्नर नर्मदापुरम कृष्ण गोपाल तिवारी के निर्देश पर सेवासदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ भोपाल एवं जिला अंधत्व निवारण समिति नर्मदापुरम के सहयोग एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी नर्मदापुरम के आदेश से विशाल निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम रानीपुर, नया चिचा, अट्ठाईस चीचा, बटकुई, घोघरी, चाटुआ, चनखार घोघरा नाला, पिपरिया कंला, जामई कंला, चांदोन, दोडी झुनकर, मरीयार पुरा, वनग्राम के सैकड़ों नेत्र रोगियों को शिविर में जांच की गई। सरपंच शिवनारायण धुर्वे एवं मानिक निरापुरे ने बताया कि आदिवासी (ट्राईवल) विकास खंड केसला के तवा नगर में परिवहन आवागमन के साधनों का अभाव होने पर यहाँ के आदिवासी गरीब मजदूर इलाज हेतु शहरों में जा नहीं पाते हैं और गंभीर बीमारियों के ईलाज से वंचित रहते हैं। नेत्र शिविर के आयोजन पर हर्ष व्यक्त कर आभार प्रदर्शन किया। खंड चिकित्सा अधिकारी सुखतवा डाक्टर आर एस मीणा एवं उप जिला कार्यक्रम प्रबंधक विलास कुमार नीले के सहयोग से शिविर सफल रहा।

विधायक डॉक्टर शर्मा की उपस्थिति में कन्या शाला में गर्म वस्त्रों का वितरण

नर्मदापुरम। सोमवार को शासकीय कन्या शाला जुमेराती में विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा की उपस्थिति में रमेश उपरारिया द्वारा उनके पिताजी स्व. सुंदरलाल उपरारिया की स्मृति में छात्राओं को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। इस कार्य से शासकीय कन्या शाला की छात्राओं में न केवल उत्साह और खुशी का माहौल बना, बल्कि यह एक समाजसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण भी रहा।

मेट्रो एंकर | तेजगढ़ वन परिक्षेत्र द्वारा आयोजित किया गया अनुभूति कार्यक्रम छात्र छात्राओं को दिए पुरस्कार

स्टूडेंट्स को वन्यजीवों की कराई पहचान, वन और पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मप्र वन विभाग और मप्र इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा रविवार को तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल के तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत अनुभूति का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूली बच्चे को शामिल किया गया साथ ही उन्हें प्रकृति से जोड़ने और वनों के महत्व को समझाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया कार्यक्रम में दमोह वन मंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे के मार्गदर्शन में रविवार को तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बंकागड़ वन क्षेत्र में अनुभूति कार्यक्रम किया गया ।

इस वर्ष कार्यक्रम की थीम हम हैं बदलाव रखी गई । इस कार्यक्रम में बच्चों को पर्यावरण से संबंधित जानकारी देने एवं उनकी पर्यावरण जागरूकता संबंधी जिज्ञासाएं शांत की गई । कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को प्रातः नाश्ता देकर जंगल भ्रमण पर ले जाया गया जहां पर उन्होंने जंगल में पाए जाने वाले पेड़ पौधों , वन्य प्राणियों से संबंधित जानकारी भ्रमण करते हुए प्राप्त की ।

कार्यक्रम में 120 छात्र छात्राओं ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम के मध्य में बच्चों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य संगीत नाटक चित्रकला इत्यादि का प्रदर्शन किया गया इस कार्यक्रम में तेजगढ़ हाईस्कूल सांगा हाईस्कूल और पतलौनी हाईस्कूल के 120 छात्र छात्राओं को कार्यक्रम में शामिल किया गया एवं बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुरस्कार वितरण कर पर्यावरण की शपथ दिलाई गई तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे ने कहा अनुभूति कार्यक्रम के तहत बच्चों को वनों के प्रति जागरूक करना और वन्य प्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता प्रशिक्षण सह जागरुकता आदि विषयों के बारे में प्रशिक्षण दिया है आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अंदर जीवन कौशल आधरित नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

इस दौरान तेन्दूखेड़ा उप वनमंडल अधिकारी प्रतीक कुमार दुबे तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पाण्डे लक्ष्मण बंसल जनपद सदस्य सांगा उप सरपंच केशव यादव तेजगढ के पूर्व फरमान खान मुख्तियार खान वनपाल ,नेक नारायण वनपाल , सत्यम नायक ललित सुमन अंकिता विनोद लखन ,अफजल कोमल अशोक रामगोपाल प्रकाश रवि एवं पप्पू की उपस्थिति रही

सिरोंज के अस्पतालों में 'नशे और मौत' का कारोबार

स्टेरॉयड और नशीली दवाइयों से मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़?

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जिला विदिशा सिरोंज के अस्पताल और क्लीनिक मौत के कारखाने बन चुके हैं, जहां इलाज के नाम पर मरीजों को स्टेरॉयड और नशीली दवाइयां देकर उनकी स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। यह खेल इतना खतरनाक है कि मरीज अपनी बीमारी से ज्यादा इन दवाओं और इंजेक्शनों के असर से तबाह हो रहे हैं। दर्द से राहत और इलाज का झांसा देकर मरीजों को नशे का आदी बनाया जा रहा है। यह मामला अब एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बन चुका है।

इलाज नहीं, धीमा जहर परोसा जा रहा है

कई अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों को स्टेरॉयड और नशीले इंजेक्शन ऐसे दिए जा रहे हैं जैसे यह उनकी जिंदगी बचाने का आखिरी उपाय हो। असल में, ये डॉक्टर मरीजों को बार-बार इन दवाओं पर निर्भर बनाकर अपने फायदे के लिए उनकी जिंदगी के साथ खेल रहे हैं।

स्टेरॉयड का घातक खेल

शरीर को अंदर से बर्बाद कर रहा हैरू स्टेरॉयड से मरीजों का इम्यून सिस्टम नष्ट हो रहा है। मामूली बुखार या चोट भी जानलेवा साबित हो रही है।

हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर –लंबे समय तक

स्टेरॉयड का इस्तेमाल हड्डियों और मांसपेशियों को खोखला बना देता है।

दिल और दिमाग पर हमला –स्टेरॉयड के प्रभाव से मरीजों में दिल के दौरे और मानसिक समस्याओं के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

नशे की दवाइयों से जहरीली होती जिंदगी –लत की गिरफ्त में मरीज नशे की दवाओं और इंजेक्शनों से मरीज बार-बार इन क्लीनिकों पर लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव–मरीजों को नशे के कारण चिड़चिड़ापन, अवसाद और मानसिक विकारों का सामना करना पड़ रहा है।

आंतरिक अंग हो रहे फेल –किडनी और लिवर जैसे महत्वपूर्ण अंगों का फेल होना आम हो गया है।

डॉक्टर या 'मौत के सौदागर

सिरोंज के कई डॉक्टर इलाज के नाम पर मरीजों के लिए मौत के सौदागर बन चुके हैं। इन्हें मरीजों की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं, बल्कि इनकी प्राथमिकता है अधिक मुनाफा कमाना। इन डॉक्टरों और क्लीनिकों में चल रहे इस खेल में मरीजों की जिंदगी से हर दिन खिलवाड़ किया जा रहा है।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की शर्मनाक चुप्पी

इस मामले में सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि इन गंभीर मामलों पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया है। यह लापरवाही साफ तौर पर दिखाती है कि या तो प्रशासन इन खेलों में शामिल है, या फिर अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह विफल हो चुका है।

क्या हो रहा है सिरोंज के अस्पतालों में।

1. मरीजों को इलाज के नाम पर इस तरह का उपचार दिया जा रहा है।
2. जान-बूझकर मरीजों को स्टेरॉयड और नशीली दवाओं पर निर्भर बनाया जा रहा है।
3. अस्थायी राहत देकर मरीजों को बार-बार उन्हीं क्लीनिकों पर लौटने पर मजबूर किया जा रहा है।

प्रशासन से सीधे सवाल

1. इन मौत के कारखानों पर अब तक क्यों नहीं हुई कार्रवाई?
2. स्वास्थ्य विभाग इन डॉक्टरों और अस्पतालों पर क्यों आंख मूंदे बैठा है?
3. क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

मरीजों की अपील

रोकें यह मौत का खेल स्थानीय नागरिकों और मरीजों ने मांग की है कि-

1. इन अस्पतालों और क्लीनिकों की जांच हो।
2. दोषी डॉक्टरों को जेल भेजा जाए।
3. स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय की जाए।
4. मरीजों को मुफ्त इलाज और पुनर्वास सेवाएं दी जाएं।

क्या कह रहे हैं विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इन गतिविधियों पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई, तो सिरोंज में गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है। न केवल मरीजों की जिंदगी दांव पर लगी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी इस खेल का शिकार हो सकती हैं।

समाप्ति नहीं, शुरुआत चाहिए

सिरोंज में चल रहे इस खतरनाक खेल को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। अगर प्रशासन ने जल्द ही कार्रवाई नहीं की, तो यह मामला एक बड़े जन आंदोलन का रूप ले सकता है।

क्या बोले सीएमएचओ

इस मामले पर जब **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेश तिवारी** से बात की गई, तो उन्होंने कहा, ष्हम इस मुद्दे पर संबंधित ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करेंगे कि मामले की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई करें।

ड्रग इंस्पेक्टर का कहना है

हमने ड्रग इंस्पेक्टर **संजीव जादौन** से इस मामले पर बातचीत की। उनका कहना है कि श्हम इस मामले की गंभीरता से जांच करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अस्पताल और क्लीनिकों में दवाओं का कोई भी दुरुपयोग न हो।उनके अनुसार, इस तरह की गतिविधियों से संबंधित किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अखबारो में प्रकाशित खबरों को गंभीरता लेते हुए कार्यवाही करें : कलेक्टर

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में अखबारो की कटिंग को संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभागो के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि खबरो पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करें यदि खबर सही है तो उसमें क्या सुधार ला सकते है को रेखांकित करते हुए कार्यवाही करें यदि खबर गलत प्रकाशित हुई है तो उसका खण्डन अनिवार्य रूप से प्रकाशित कराने के प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने अखबारो में प्रकाशित होने वाली खबरो के प्रति पूर्ण गंभीरता लेते हुए सतर्कता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत स्कूल में लगाया कैंप

सिरोंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सोमवार को यातायात पुलिस ने जागरूकता के लिए नगर के स्कूलों में कैंप का आयोजन किया इसमें यातायात प्रभारी रितेश बाघेला के द्वारा स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के बारे में विस्तार से बताया श्री बाघेला ने बताया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एस.डी.ओ.पी उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने सेंट जोसेफ स्कूल के बच्चों और स्कूल स्टाफ को यातायात नियम, लाइसेंस संबंधी जानकारी, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया साथ ही बताया गया कि यातायात नियमों के पालन की शुरुआत स्कूल स्टाफ करे जिससे बच्चे भी यातायात नियमो का पालन करें, बच्चों की गलती पर माता पिता और अध्यापक ध्यान देंगे तभी सुधार कर सकते है। जब वह स्वयं सही हो या नियमो का पालन करें तो इसके साथ ही स्कूल/कॉलेज/सार्वजनिक स्थानों पर आमजन/युवाओं/विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों हेलमेट लगाने, सीट बेल्ट लगाने,तेज गति से वाहन न चलाने,टू वीलर वाहन पर तीन सवारी न बैठने, चार पहिया वाहन के शीशों पर काली फिल्म न लगाने सहित ट्रैफिक नियमों के पालन करने की समझाइश दी गई , साथ ही दुर्घटना में घायलों की सहायता हेतु गुड सेमेरिटन योजना एवं गोल्डन ऑवर्स की जानकारी उपलब्ध कराई।

भारतीय किसान संघ ने किसानों की मांगों को लेकर, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

केसीसी की राशि जमा करने की तिथि 31 मई की जाए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ ने कृषकों की विभिन्न मांगों के संबंधमें मुख्यमंत्री के नाम संबंध संबोधित ज्ञापन तहसीलदार संजय चौरसिया को को देते हुए कहा कि हमारा संघ किसानों की समस्याओं को पिछले 45 वर्षो से निरंतर सरकार के समक्ष रखना आ रहा है। इन्होंने मांग करते हुए कहा कि किसानों को खाद बीज के लिए परेशान ना होना पड़े यूरिया की कला बाजार रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं नकली कीटनाशक दबा बेचने वालों पर कड़ी की जाए जिला सहकारी बैंक से किसानों को में 0 ब्याज पर कर्ज मिलता रहे साथ ही केसीसी की राशि जमा करने की तारीख 31 मार्च से बढ़कर 31 मई की जाए शासन के द्वारा जो तारीख निश्चित की गई है उस तारीख तक ज्यादातर किसानों की फसल नहीं बिक पाती है । किसानों के खेतों तक जाने के लिए सड़क का निर्माण करवाया जाए भाजपा सरकार के घोषणा पत्र के हिसाब से 2700 में गेहूं की खरीदी हो विकासखंड में संचालित हो रही गौशालाओं की सही जांच करवाई जाए अधिकांश गौशाला बंद पड़ी उनको चालू करवा कर मवेशियों को इनमें रखने के उचित इंतजाम किए जाएं बंद होने से मवेशी किसने की फसलें बर्बाद कर रही है। बिजली पर्याप्त मात्रा में मिले इसके अलावा और मांगे भी मांग पत्र में इन्होंने रखी हैं। इस दौरान तहसील अध्यक्ष

वीरेन्द्र पालीवाल मांग राखी इसके अलावा किसान संघ की बैठक निजी गार्डन मैं हुई जहां पर भारत माता पूजन की और किसानों की समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया इसके बाद। सभी ज्ञापन देने पहुंचे इस दौरान तहसील प्रभारी चरण सिंह, जिला सह मंत्री अमित सिंह रघुवंशी, तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पालीवाल, मंत्री सुनील बघेल, हिम्मत सिंह रघुवंशी, मोहन सिंह रघुवंशी, गोलू बघेल, नीरज बघेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

झांकियो की संक्षेपिका जमा कराने के निर्देश

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का भी जायजा लिया हैं। उन्होंने कहा कि जिन विभागो के द्वारा झांकियां प्रस्तुत की जाएगी उसमें फ्लैक्स कम होना चाहिए माडल अधिक हो। कलेक्टर श्री सिंह ने उन सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि झांकी आधारित संक्षेपिकांए शीघ्र जमा कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने फायनल रिहर्सल तिथि 23 जनवरी को फुल डेऊस में रिहर्सल हो ताकि ऐसा लगे कि कहीं कोई त्रुटि नहीं है। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परेड में शामिल दलो की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारी नजर रखें के निर्देश दिए है।

पट्टे की जमीन को लेकर बिलोदा गांव में दो पक्षों के बीच हुआ खूनी संघर्ष, चली गोली, 307 का क्रॉस केस हुआ दर्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सरकारी पट्ठे की जमीन पर कब्जे को लेकर विगत 20 -25 सालों से गुर्जर समाज और चिराड समाज के दो परिवारों के बीच में चल रहा विवाद रविवार की रात्रि में खूनी संघर्ष में तब्दील गया इसके गोली चली साथ डंडे भी आमने-सामने चलने से दोनों पक्षों के कई लोग घायल हैं । जिनका इलाज विदिशा में चल रहा है। घटना की सूचना के बाद दीप ना खेड़ा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और गांव में शांति व्यवस्था कायम की। पुलिस में दोनों पक्षों की शिकायत पर दोनों तरफ 307 का मामला दर्ज करके तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है । गोली चलाने वाले नरेश चिराड को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया,। दीपना खेड़ा थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि परसीमन के बाद कुरवाई थाने का गांव बिलोदा हमें मिला है उसमें में रविवार की रात्रि में जमीन को लेकर दो पक्षों में आमने सामने खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है एक तरफ से लाठी डंडों से हमला किया दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने गोली से फायर करके एक व्यक्ति को बुरी तरह से घायल कर दिया। जैसी हमें सूचना मिली तो पुलिस वाले के साथ हम मौके पर पहुंचे घायलों को इलाज के लिए विदिशा मैं भर्ती कराया से दोनों पक्षों पिछले 20-25 सालों से पट्टे की जमीन पर कब्जा करने को लेकर विवाद चल रहा है। घटना के बाद हमने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिसमें गोली चलाने वाले नरेश चिराड के साथ कमल सिंह और गोविंद को भी गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया यहां से इन्हें जेल भेज दिया गांव में शांति व्यवस्था कायम कर दी है । दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस मामला दर्ज किया है पहले पक्ष में फरियादी अरविंद गुर्जर रिपोर्ट पर गंगाराम चिराड, गोविंद, कमल, नरेश

,रामस्वरूप चिराड पर 307 के तहत मामला पंजीकृत किया है। दूसरे पक्ष में फरियादी छोटे लाल चिराड की रिपोर्ट पर बृजेश गुर्जर, अरविंद गुर्जर, भानु प्रताप गुर्जर के अलाव और नाम बढ़ाने की बात कह रही है। छोटेलाल मुन्नीबाई को भी गंभीर चोटें आई है। गांव में गोली चलाने के बाद दहशत सी फैल गई थी इसके बाद पुलिस ने गांव की व्यवस्था को संभाला और पूरी तरह से शांति व्यवस्था काम करने काम किया कई घंटे तक गांव में पुलिसकर्मी तैनात रह पूरी घटना के बाद अधिकारियों ने भी जानकारी और आरोपियों को गिरफ्तार करने की दिशा निर्देश भी एसपी और एसपी ने दिए। विवाद की मुख्य वजह जो सामने इस बताया कि 20-25 साल पहले चिराग समाज के लोगों को शासन से पटट हुआ था उसमें से दो और तीन बीघा जमीन को गुर्जर समाज लोग छोड़ नहीं रहे इसी बात को लेकर विवाद कई सालों से चला आ रहा है अब खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया है।

जमीनी विवाद में चली गोली, एक घायल

गंजबासौदा। नई मंडी के पास सोमवार शाम को एक युवक के साथ विवाद के चलते दो युवकों ने पहले मारपीट की फिर उसे गोली मार दी जिसमें युवक बुरी तरह घायल हो गया। घटना में घायल युवक को उपचार के लिए राजीव गांधी जन चिकित्सालय लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवक को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सूत्रों की मानें तो पूरा मामला जमीनी विवाद का बताया जा रहा है। जानकारी लगते ही शहर थाना पुलिस के साथ अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनोज मिश्रा अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने पूरे मामले की जानकारी मीडिया को देते हुए बताया कि जमीनी विवाद के चलते घटना घटित हुई है। हम शीघ्र ही घटना को घटित करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करेंगे। एसडीओपी मनोज मिश्रा ने बताया कि पूरा मामला यह है कि सोनू कुशवाह किसी काम के चलते नवीन मंडी के समीप गया था वहां दो युवकों ने सोनू कुशवाह को पकड़ कर

मारपीट कर दी और उससे उसके दोस्त के बारे में पूछा कि वह कहां है जब सोनू ने बताया कि उसे जानकारी नहीं है तो दोनों युवकों ने सोनू के साथ मारपीट की बाद उसे गोली मार दी एसडीओपी ने बताया कि घायल को उसके पैर में गोली लगी है। जिसे विदिशा रेफर किया है।

मेट्रो एंकर लाखों की लागत से कराए जाने वाले निर्माण कार्यो का किया शिलान्यास

विधायक टण्डन ने शिविरों में शामिल होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरो का आयोजन जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी और विधायक मुकेश टण्डन ने शिविरो में शामिल होकर आमजनों

की समस्याओं के निदान की पहल की और मौके पर योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने दीघौरा एवं अटारीखेजडा के शिविर में कहा कि एक ही छत के नीचे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले और उनकी मूलभूत समस्याओं का समाधान हो यही शिविर की मंशा है।

आवास प्लस योजना के तहत जिले में सर्वे कार्य जारी है नवीन पात्रता के अनुसार हितग्राही स्वंय अपने मोबाइल से भी सर्वे में अपना नाम जोड सकते है। उक्त आश्य के विचार विदिशा विधायक श्री टण्डन ने आज मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत आयोजित शिविरो में व्यक्त किए है।

विधायक श्री टण्डन ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार का एक ही उद्धेश्य है कि हर गरीब का पक्का आशियाना हो। वहीं शासन की योजनाओं से लाभ लेकर हितग्राहियों के जीवन में परिवर्तन आए और वे स्वंय आर्थिक रूप से सबल हो सकें। विधायक श्री टण्डन ने सोमवार को ग्राम पंचायत घौंसुआ, सिमरहार, सुआखेडी, मढीपुर, अटारीखेजडा और दीघौरा में आयोजित शिविरो में शामिल होकर स्थानीय ग्रामीणजनों की समस्याओं को सुना और निराकरण की पहल कराई है।

विधायक श्री टण्डन ने घौंसुआ, सिमरहार, सुआखेडी, मढीपुर, अटारीखेजडा और दीघौरा ग्राम पंचायतों में बीस-बीस लाख रूपए की लागत से बनाए जाने वाले सामुदायिक भवन और ग्राम पंचायत सिमरहार में 37 लाख 50 हजार की लागत से बनने वाले पंचायत भवन का भूमिपूजन कर शिलान्यास किया है।

उन्होंने राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली छात्राओं को पांच-पांच हजार रूपए की राशि देने की घोषणा की है। इस दौरान ग्राम अटारीखेजडा में छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता का भी उन्होंने शुभारंभ किया। विधायक श्री टण्डन के प्रवास कार्यक्रमों में ग्यारसपुर एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ के अलावा जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन- वर्ल्ड नंबर-1 सिनर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

डिफेंडिंग चैंपियन सिनर ने होल्गर रूने को 6-3, 6-2 से हराया

मेलबर्न.एजेंसी

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन में मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन इटली के सिनर ने डेनमार्क के होल्गर रूने को 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से हराया। सिनर को मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी रॉड लेवर एरिना में सिनर और 13वीं वरीयता प्राप्त रूने गर्मी से निपटने के लिये चेहरे पर ठंडा तौलिया को रखते दिखे। दोनों ने कई बार गर्दन पर पानी भी गिराया। तीसरे सेट में सिनर को 10 मिनट से ज्यादा लॉकर रूम में मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। सिनर का सामना अब आस्ट्रेलिया के आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनाउर या अमेरिका के गैर वरीय एलेक्स मिचेलसन से होगा। लोरेंजो सोनेगो भी क्वार्टर फाइनल में मेंस सिंगल्स में इटली के ही 55वीं रैंकिंग वाले लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिकी लर्नर टीएन को 6-2, 6-3, 3-6, 6-1 से मात दी। अब उनका सामना अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा। अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में नोवाक जोकोविच की टक्कर कार्लोस अल्काराज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव की भिडंत टॉमी पॉल से होगी।

विमेंस सिंगल्स में एलिना स्वितोलिना जीतीं विमेंस वर्ग में यूक्रेन की 28वीं सीड एलिना स्वितोलिना ने 1-4 से पिछड़ने के बाद रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 6-4, 6-1 से हराया। वह तीसरी बार आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। स्वितोलिना का सामना अब 19वीं रैंकिंग वाली अमेरिका की मेडिसन कीस से होगा। ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा। साल का पहला ग्रैंड स्लैम है टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में ओपन होता है। ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

विराट 13 साल बाद रणजी मैच खेलेंगे 30 को दिल्ली व रेलवे के बीच मुकाबला

नईदिल्ली.एजेंसी

विराट कोहली 13 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे। उन्होंने 30 जनवरी को दिल्ली और रेलवे के बीच होने वाले मुकाबले में खेलने की पुष्टि की है। दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह ने बताया कि विराट ने दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहन जेटली और टीम प्रबंधन को बताया है कि वह रेलवे के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, वह 23 जनवरी को सौराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेलेंगे।

दिल्ली के दो मैच, विराट पहला मैच नहीं खेलेंगे: विराट कोहली ने बीसीसीआई मेडिकल टीम को सूचित किया है कि उनकी गर्दन में दर्द है। वह इंजेक्शन ले रहे हैं। फिट होने के बाद वह दूसरे मैच से उपलब्ध रहेंगे।

2012 में खेला था आखिरी मैच: विराट ने अपना अंतिम रणजी ट्रॉफी मुकाबला 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ गाजियाबाद में खेला था। हाल ही में विराट का नाम 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में भी शामिल किया था। विराट के साथ ऋषभ पंत को भी टीम में शामिल किया गया था। पंत ने सौराष्ट्र के विरुद्ध मैच खेलने के लिए टीम के साथ जुड़ जाएंगे।

बीसीसीआई ने घरेलू मैच में खेलना अनिवार्य किया

विराट रणजी खेलने को लेकर क्यों सहमत हुए

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब बल्लेबाजी विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ फ्लॉप रहे। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 23.75 के औसत से 190 रन बनाए। जबकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज में 15.50 के औसत से महज 93 रन बना सके। इन दोनों सीरीज में विराट बार-बार ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर कैच आउट हो रहे हैं। कई दिग्गज बल्लेबाजों ने उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह दी है। हारने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को अपने बैटिंग स्किल्स सुधारने के लिए समय-समय पर रणजी समेत अन्य घरेलू मैच खेलने होंगे। पिछले हफ्ते बीसीसीआई ने मुंबई स्थित हेडक्वार्टर में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की। इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ होम सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे में प्रदर्शन का रीव्यू किया गया। मीटिंग के दौरान बोर्ड मेंबर्स ने सीनियर खिलाड़ियों के डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। खिलाड़ियों का रणजी खेलना अनिवार्य किया। विराट कोहली सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में नहीं, बल्कि रेलवे के खिलाफ 30 जनवरी से होने वाले मैच में उपलब्ध होंगे। सौराष्ट्र के खिलाफ मैच खेलने को लेकर विराट कोहली ने अधिकारी को अपनी उपलब्धता की जानकारी नहीं दी थी। भास्कर को सूत्रों ने बताया था कि विराट बड़े खिलाड़ी है, ऐसे में उनसे खेलने को लेकर अधिकारियों की हिम्मत नहीं हो रही कि उनसे सवाल पूछें।

रोहित-जडेजा भी अपनी टीम से खेल रहे हैं रणजी

चैंपियंस ट्रॉफी टीम की घोषणा के बाद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने घरेलू मैदान पर जम्मू और कश्मीर के खिलाफ मुंबई के मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की थी। वहीं शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और रवींद्र जडेजा सहित भारत के अन्य सितारे भी अपनी-अपनी टीमों के लिए रणजी ट्रॉफी के अगले दौर में नजर आएंगे।

भारत में 14 साल से टी-20 सीरीज नहीं जीत सका इंग्लैंड

नईदिल्ली.एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से हो रही है। कोलकाता में पहला मैच होगा, जिसके लिए दोनों ही टीमें तैयार हैं। इंग्लैंड ने वैसे तो भारत को 46 फीसदी टी-20 हराए हैं, लेकिन टीम ने भारत में इस फॉर्मेट की आखिरी सीरीज 14 साल पहले 2011 में जीती थी। 2011 में एमएस धोनी भारत के कप्तान थे। उनके बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टीम की कमान संभाली, लेकिन किसी को भी इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं गंवानी पड़ी। अब टीम इंडिया सूर्यकुमार यादव और इंग्लिश टीम जोस बटलर की कप्तानी में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच 2007 के वर्ल्ड कप में खेला गया था। तब ग्रुप स्टेज मैच में भारत से युवराज सिंह ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ 1 ही ओवर में 6 छक्के लगा दिए थे। भारत ने यह मैच 18 रन से जीता था। 2007 से दोनों टीमों के बीच 24 टी-20 खेले गए। 54त्न यानी 13 में भारत और 11 में इंग्लैंड को जीत मिली। भारत में दोनों टीमों ने 11 मैच खेले, यहां भी टीम इंडिया का ही आगे है। टीम ने 6 और इंग्लैंड ने 5 मैच जीते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 2011 में पहली टी-20 सीरीज खेली गई थी। जिसमें भारत को हार मिली थी। 2014 तक दोनों टीमों के बीच कुल 4 सीरीज हुईं, 1 ड्रॉ रही, जबकि 3 में भारत को हार मिली। 2017 से 2022 तक दोनों टीमों ने 4 और सीरीज खेलीं। चारों में भारत को ही जीत मिलीं। 2 बार भारत ने इंग्लैंड को उसी के घर में हराया। भारत में दोनों के बीच 4 सीरीज हुईं। 1 ड्रॉ रही और 1 में इंग्लैंड को जीत मिली, जबकि 2 सीरीज टीम इंडिया ने जीतीं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'मैनिफेस्टेशन' में यकीन नहीं रखतीं कंगना रनौत, बोलीं- लोग फल की चिंता करते हैं..

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर अक्सर चर्चा हो रही है। कंगना ने कहा कि मेनिफेस्टेशन उनके लिए कुछ अच्छी चीज नहीं है। मैं इन सबमें नहीं मानती। कंगना ऐसा क्यों सोचती हैं, इस बारे में भी उन्होंने बताया है। कंगना ने कहा, पहले के लोग कहते थे कि काम करो फल की चिंता मत करो। अब लोग पहले फल को पहले देखना चाहते हैं, उसके बाद में काम करते हैं। तो ये कैसा काम हुआ। हो सकता है कि आप जो अपने लिए सोच रहे हैं अच्छा न हो और मिल गया तो आपके लिए सही न हो, ऐसे में हमें सब छोड़ देना चाहिए। बस काम पर फोकस करना चाहिए। कंगना ने कहा कि सपने मैं देखती हूं, लेकिन खुली आंखों से, ये मेनिफेस्टेशन मैं नहीं करती। कंगना ने कहा, कि मैं जब आई तो मैंने कोई मेनिफेस्टेशन नहीं किया। मैंने उसके लिए काम किया। मैंने लेखन सीखने के लिए अमेरिका गई। मैंने अपने आप को और अच्छा बनाने के लिए एक्टिंग के साथ कुछ और चीजें भी ऐड ऑन कीं, उस पर मैं काम भी कर रही हूं, अब मेरे लिए क्या अच्छा है, इस बारे में भगवान खुद अपने हिसाब से अच्छा ही देगा।

भगवान पर करती हैं विश्वास: कंगना ने कहा कि अब ये मेरा काम नहीं है कि अब क्या होगा, जो होगा वो हमारे लिए अच्छा होगा। कंगना ने कहा कि भगवत गीता में कहा गया कि जो होगा सही होगा, जो नहीं देंगे वो भी सही होगा। श्रीकृष्ण भी कहते हैं कि जो हमारे लिए हो वो हमें भगवान अच्छा ही देंगे। कंगना ने कहा कि वे भगवान में मानती हैं लेकिन मैनिफेस्टेशन में नहीं मानती हैं।

रवीना की बेटी राशा थडानी के बाद गोविंदा के बेटे करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड के हीरो नंबर वन गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। कथित तौर पर उनकी पहली फिल्म में उनके साथ बाबिल खान नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं। दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

'गदर 2' का क्लाइमैक्स आखिरी पल में बदला

गदर 2 सनी देओल और अमीषा पटेल के कॅरियर की सबसे कमाऊ फिल्म है। अमीषा ने एक इंटरव्यू में फिल्म के क्लाइमैक्स पर बात की। उन्होंने कहा, 'ऐन मौके पर निर्देशक ने फिल्म का क्लाइमैक्स बदल दिया। मुझसे वादा किया गया था और बताया था कि मैं क्लाइमेक्स में खलनायक को मारूंगी। हमारे बीच रचनात्मक मतभेद थे, क्योंकि क्लाइमैक्स मेरी जानकारी के बिना शूट किया गया था। अगर आपने गौर किया हो तो सनी ने भी किसी को नहीं मारा। ऐन मौके पर पूरा क्लाइमैक्स बदल गया।' अमीषा ने कहा, खलनायक को मारना सकीना का अधिकार था और इसलिए मैं अनिल से नाराज थी। अगर सकीना विलेन को मार डालती तो इससे अच्छा बदला वह ले ही नहीं सकती थी। सकीना को पिता की फांसी का बदला लेना था। खैर ये अतीत की बात है।

अनिल मेरे लिए परिवार जैसे

उन्होंने कहा, अनिल शर्मा मेरे प्रति स्नेह रखते हैं। मैं उन्हें 24-25 साल से जानती हूं। वह हमेशा मेरे लिए परिवार रहेंगे। मैं इस शर्त पर गदर 3 करूंगी, अगर कहानी तारा और सकीना के इर्द-गिर्द घूमेगी। मैं अब कही गईं बातों पर विश्वास नहीं करूंगी। सबकुछ कॉन्ट्रैक्ट के तहत होगा।

मेट्रो बाजार

97 फीसदी कंपनियां करेंगी नई भर्तियां 75 फीसदी ने कहा- निजी निवेश बढ़ेगा

सीआइआइ सर्वे: गंभीर जियो-पॉलिटिकल चुनौतियों के बीच भारत एक 'ब्राइट स्पॉट'

मुंबई.एजेंसी

वैश्विक स्तर पर गंभीर जियो-पॉलिटिकल चुनौतियों के बीच भी भारत का वर्तमान आर्थिक माहौल निजी निवेश के लिए अनुकूल है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) के पिछले 30 दिनों में किए गए सर्वे में यह दावा किया गया है। सर्वे में कहा गया है कि ग्लोबल सप्लाई-चैन में आ रही बाधाओं ने दुनिया भर में ग्रोथ के लिए गंभीर चुनौतियां पेश की हैं। इन विषम हालातों के बीच भारत एक 'ब्राइट स्पॉट' के रूप में उभरा है।

सर्वे में 75 त्न कंपनियों ने कहा कि वर्तमान आर्थिक माहौल निजी निवेश के अनुकूल है। सीआइआइ का यह अखिल भारतीय सर्वे फरवरी के पहले सप्ताह तक 500 कंपनियों के लिए पूरा हो जाएगा। फिलहाल अंतरिम परिणाम 300 कंपनियों के नमूनों पर आधारित हैं, जिसमें हर प्रकार की इंडस्ट्री शामिल हैं। सर्वे के अनुसार, लगभग 97 त्न कंपनियों ने कहा है कि 2024-25 और 2025-26 उनकी कंपनी में भर्ती की योजनाएं हैं। 79 त्न कंपनियों ने कहा कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में उन्होंने कई नई भर्तियां की हैं। सीआइआइ के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी के अनुसार, सर्वे में शामिल 70 त्न कंपनियों ने कहा है कि वे वित्त वर्ष 2025-26 में निवेश करेंगी। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते कर राजस्व के कारण भारत में राजकोषीय घाटा लगातार कम होने की उम्मीद है।

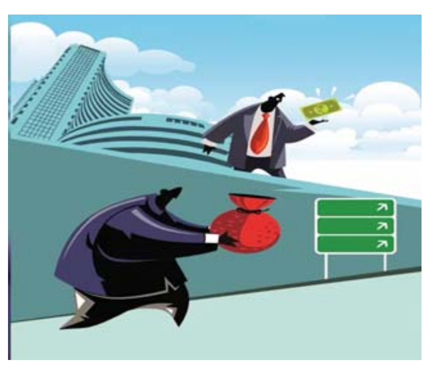

बैंक ने कहा कि अधिकांश दक्षिण एशियाई देशों में राजस्व घाटा के मोर्चे पर स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, पर भारत की स्थिति इस लिहाज से लगाता बेहतर हो रही है। तिमाही परिणाम, ट्रंप की ताजपोशी और एफआइआइ की चाल पर थिरकेगा बाजार गिरावट के रुझानों के बीच सोमवार से जनवरी का तीसरा कारोबारी हफ्ता शुरू हो रहा है। 20 जनवरी को डॉनल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेन जा रहे हैं, जिसके कारण उनकी नई घोषणाओं का असर मंगलवार से दिख सकता है। साथ ही एफआइआइ की गतिविधि भी बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। पिछले हफ्ते एफआइआइ ने बिकवाली की है और 17 जनवरी तक 45,498 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची गई है जो 2008 के बाद की सबसे बड़ी बिकवाली है।

भारत 10 लाख टन चीनी निर्यात को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी

सीमित स्टॉक के बीच भी इस्मा के आग्रह पर भारत सरकार 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति देने जा रही है। घरेलू बाजार में गिरती कीमतों के बीच मिलों को बेहतर दाम सुनिश्चित करने के मद्देनजर यह अनुमति देने पर सहमति बनी है। इंडियन शुगर एंड बायो फ्यूल एनर्जी मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन (इस्मा) और राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ दोनों ही इस बात पर जोर दे रहे थे कि मिलों को गन्ना किसानों का भुगतान करने में मदद करने के लिए निर्यात की अनुमति दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले चालू चीनी सीजन में 320 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है, जिसमें 28.5-29 मीट्रिक टन घरेलू खपत के लिए और 4 मीट्रिक टन इथेनॉल के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। एक साल पहले इसी अवधि में भारत में 300.77 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ था।

विवादित भूमि पर पुणे की फर्म से ले लिया लोन

7 करोड़ की जमीन के फर्जी पेपरों से लिया 1 अरब 10 करोड़ रुपए का लोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने आएसआर हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के डायरेक्टर रामकुमार सिंह की शिकायत पर मेसर्स सृष्टि ट्रेड कम प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर दंपती राजेश जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप हैं कि फर्जी पेपर बनाकर आरोपियों ने पुणे की ग्लोबल पार्टनर्स, मिडास टच एवं मनोदीप नागरिक सहकारी से 1 अरब 10 करोड़ 75 लाख रुपए का लोन लिया है। आरोपियों ने जो जमीन बैंकों में मार्टगेज के लिए रखी थी। उसके फर्जी दस्तावेज तैयार कराए हैं। रामकुमार की बावड़िया कला में 5.68 एकड़ जमीन है। इसमें से उन्होंने 1 एकड़ जमीन राजेश को 3 करोड़ 84 लाख रुपए में बेची थी। उक्त जमीन का जैन ने चेक दिया था, लेकिन, जैन के खाते में पैसे नहीं थे। पैसे नहीं होने के कारण भुगतान नहीं हो सका। रामकुमार का कहना है कि उनकी जमीन के पास सृष्टि

ट्रेड कम प्राइवेट लिमिटेड की पहले से ही 3.50 एकड़ जमीन थी। साल 2011 में जाइंट वेंचर एग्रीमेंट हुआ। जिसमें भूमि पर 12.80 करोड़ निवेश करना दोनों के बीच तय हुआ था। जैन ने एग्रीमेंट शर्तों के मुताबिक भुगतान नहीं किया। ऐसे में रामकुमार सिंह ने अपनी भूमि का विक्रय पत्र शून्य घोषित करने के लिए जिला न्यायालय में वाद दायर किया। वाद अभी विचाराधीन है। इसी बीच राजेश जैन ने विवादित भूमि को पुणे की 3 अलग-अलग संस्थान में गिरवी रखकर 1 अरब 10 करोड़ 75 लाख रुपए का लोन ले लिया। इसके बाद जमीन दूसरों को बेच दी। रामकुमार ने पुलिस को बताया कि जिस भूमि से लोन लिया गया, उसकी कलेक्टर गाइड लाइन के अनुसार मूल्य 17 करोड़ है। लोन देने वाले तीनो संस्थानों ने आरबीआई की गाइड लाइन का पालन नहीं किया। जमीन का बिना वैल्यूएशन किए लोन दे दिया। रामकुमार ने तीनों कंपनियों को नोटिस भेजे थे, जिसमें पता चला कि उक्त पते पर कोई कंपनी ही नहीं है। कंपनी सर्च रिपोर्ट में सृष्टि ट्रेड कम प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर में राजेश जैन का नाम भी नहीं हैं, जबकि वह जमीन के विक्रेता हैं। मामले की जांच कर रहे एसआई मनोज यादव ने बताया कि रामकुमार ने जो जमीन जैन को बेची है, वह कोलार तहसील में आती है। उक्त जमीन की रजिस्ट्री आईएसबीटी स्थित कोलार तहसील के रजिस्ट्रार कार्यालय में होनी थी, लेकिन उक्त जमीन की परी बाजार स्थित उप पंजीयक कार्यालय में भूमि विक्रय पत्र तैयार कराया गया है।

अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित सिटी अस्पताल के पास भारती निकेतन के सामने मुख्य सड़क पर इवनिंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा रविवार रात करीब आठ बजे के आसपास का है। उन्हें पास ही स्थित निजी अस्पताल में ले जाया गया था, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव मर्चूरी में सुरक्षित रखवा दिया है। उनके बेटे और बेटियां विदेश में है। उनके भोपाल लौटने के बाद शव का पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार पंचम गोपाल राव सेंडे (79) मकान नंबर-110, जूनियर एमआईजी, भारतीय निकेतन गोविंदपुरा में रहते थे। उनके साथ उनकी पत्नी रहती है, जबकि दो बेटे अमेरिका में है और एक बेटी ऑस्ट्रेलिया में है। पंचम गोपाल राव रोज शाम को घर से घूमने के लिए निकलते थे। वे मुख्य सड़क तक जाते थे। रविवार शाम करीब साढ़े 7 बजे वह घर से निकले थे। करीब तीस मिनट बाद मुख्य सड़क पर सिटी अस्पताल के सामने कट पाइंट पर उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उन्हें गंभीर चोट थी। राहगीर उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि वाहन की तलाश करने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे है।

टीवी केबल जोड़ते समय करंट से झुलसकर इलेक्ट्रीशियन की मौत

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आरजीपीवी के पास रहने वाले एक इलेक्ट्रिशियन की करंट से झुलसकर मौत हो गई। हादसे के समय वह टीवी का टूटा हुआ केबल सुधार रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रमेश विश्वकर्मा पिता वृंदावन विश्वकर्मा (39) आरजीवी के सामने गांधी नगर में रहते थे और लालघाटी स्थित प्राइवेट अस्पताल में इलेक्ट्रीशियन की नौकरी करते थे। उनके रिश्तेदार कृष्णकांत ने बताया कि रविवार को रमेश अपने फूफा के साथ घर में रखी टीवी की केबल को जोड़ने का काम कर रहे थे। उन्होंने तार को सॉकेट में डालकर स्विच ऑन कर दिया। उस समय तार रमेश के हाथ में था, जिसमें एक कट लगा हुआ था। इससे करंट लगने के कारण वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अश्लील मैसेज और धमकी भरे कॉल कर रहे युवक पर मामला दर्ज

भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने एक शादीशुदा महिला की शिकायत पर मनचले युवक पर छेड़छाड़ और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी उसे लंबे समय से मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेज रहा है और धमकीभरे कॉल भी कर रहा है। आरोपी मूलतः इंदौर का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार 36 साल की महिला इलाके में रहती है और शादीशुदा है। वह औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन की एक ट्रांस्पोर्ट कंपनी में नौकरी करती है। इसी कंपनी में इंदौर निवासी रिजवान उर्फ फकरुद्दीन का आना-जाना है। अक्सर कंपनी आने के कारण उसकी मुलाकात पीड़िता से हो गई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 में पहचान हुई थी और मोबाइल पर उससे बातचीत भी होती थी, लेकिन उसका नियत ठीक नहीं थी। लिहाजा उसने रिजवान से बातचीत करनी बंद कर दी। इससे नाराज रिजवान उस पर बात करने के लिए दबाव बनाने लगा। वह बात करने से मना करती थी और आरोपी इंदौर वाले ऑफिस के लैंडलाइन से उसे धमकीभरे कॉल कर रहा था। आरोपी जब मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजने लगा तो बात बिगड़ गई और पीड़िता ने पुलिस थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

शौच के लिए घर से निकली महिला से पड़ोसी ने की छेड़छाड़

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित गांव लाउखेड़ी में पड़ोसी द्वारा महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 साल की महिला गांव लाउखेड़ी में रहती हैं। वह गृहणी है, जबकि पति मजदूरी करता है। उसकी ससुराल सागर में है। ससुराल पक्ष में किसी का निधन होने के कारण पीड़िता के सास ससुर, पति समेत अन्य लोग सागर गए थे। रविवार रात करीब साढ़े 9 बजे महिला घर के बाहर बने टायलेट में शौच के लिए जा रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाले नितिन ने उसका हाथ पकड़ लिया और बुरी नियत से उससे छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता ने उसका विरोध किया तो वह उसे छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता ने अपने सास ससुर समेत पति को घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह सागर से लौटे और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र की घटना

पिता की फटकार से दुखी बेटे ने खदान में कूदकर दी जान

12 जनवरी की रात से था लापता, सोमवार सुबह मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा धाम कॉलोनी के पीछे खदान में भरे पानी से सोमवार सुबह एक युवक की लाश बरामद की गई। युवक गत 12 जनवरी की रात से लापता था।

परिजन ने उसकी 13 जनवरी को उसकी गुमशुदगी अयोध्या नगर थाने में दर्ज कराई थी। सात दिन बाद सोमवार को उसकी लाश खदान में भरे पानी में मिली। परिजन से पूछताछ में पता चला कि वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। पिता ने शराब पीकर आने पर उसे फटकार लगाई थी। वह नाराज होकर घर से निकल गया था।

पुलिस के अनुसार सौरभ रजक पिता अरविंद रजक (20) एन सेक्टर, क्रेशर बस्ती झुग्गी में रहता था और प्राइवेट काम करता था। उसके पिता अरविंद रजक ने पुलिस को बताया कि गत 12 जनवरी की रात सौरभ शराब पीकर घर लौटा था।

उसे पिता ने शराब पीने से मना करते हुए फटकार लगाई थी। पिता की फटकार से दुखी होकर वह घर से निकल गया। अगले दिन तक वह घर नहीं लौटा तो पिता ने उसकी आसपास तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

इसके बाद थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच सोमवार को सूचना मिली कि किसी युवक की लाश कृष्णा धाम कॉलोनी के पीछे खदान के पानी में पड़ी है। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त करते हुए उसकी लाश पीएम के लिए भेज दी।

प्रयागराज एक्सप्रेस से यात्री का पिट्ठू बैग चोरी, अन्य ट्रेनों से मोबाइल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। जीआरपी भोपाल ने प्रयागराज एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्री की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। यात्री के बैग में दस हजार रुपए की नगदी समेत कुल 17 हजार रुपए का सामान था। जीआरपी के अनुसार अरमान अंसारी प्रयागराज एक्सप्रेस के कोच एस-4 में प्रयागराज से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना स्काई ब्लू रंग का अमेरिकन टूरिस्ट कंपनी का पिट्ठू बैग सीट के नीचे रख दिया और सो गए। सुबह करीब 4 बजे उनकी नींद संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर खुली और उन्होंने बैग चेक किया, लेकिन सीट के नीचे बैग नहीं था। उनके पिट्ठू बैग में जूते एएसएसआईसीएस कंपनी के ग्रीन वाइट जिसकी कीमत 6999 रुपए थे। क्रिकेट मैच खेलने वाले स्पोर्टस कपड़े और 10 हजार रुपए की नगदी थी। कोई अज्ञात चोर बैग समेत चुराकर ले गया।

जीटी एक्सप्रेस में यात्री का मोबाइल चोरी

जीटी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहें अलीगढ़ निवासी मुसाफिर खान ने शिकायत करते हुए बताया कि वह जीटी एक्सप्रेस के कोच एस-6 में मथुरा से चैन्नई की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना मोबाइल सीट पर रख दिया और सो गए। भोपाल रेलवे स्टेशन आने से पांच मिनट पहले उनकी नींद खुली तो सीट पर मोबाइल नहीं था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 18 हजार रुपए है।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से यात्री का मोबाइल चोरी

रियासी निवासी हरिओम ने शिकायत करते हुए बताया कि कि वह बिलासपुर से निजामुद्दीन की यात्रा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के कोच एस थ्री में कर रहे थे। इस दौरान अपना मोबाइल सीट पर रख कर सो गए। ट्रेन भोपाल आने के 5 मिनट पूर्व देखा तो उनका मोबाइल नहीं था। मोबाइल कोई अज्ञात बदमाश सीट से उठाकर चोरी कर ले गया है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए है।

कमलापति रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी

इधर कमला पति जीआरपी ने बताया कि इटारसी निवासी प्रशांत सपकाले ने शिकायत करते हुए बताया कि वे इटारसी से ट्रेन में यात्रा कर कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे। ट्रेन से उतरने के बाद वे प्लेटफार्म नंबर-1 के बाहर बनी पार्किंग में पहुंचे। अपने दोस्त को कॉल करने के लिए उन्होंने पेंट की जेब में हाथ डालकर मोबाइल निकालना चाहा, लेकिन मोबाइल नहीं मिला। कोई अज्ञात चोर मोबाइल चुरा चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई जा रही है।

ड्राइवर का मोबाइल झपटकर बदमाश भागा

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित चेतक ब्रिज के नीचे सीढ़ियों के एक बदमाश ने ड्राइवर के हाथ से मोबाइल झपट लिया। घटना रविवार रात करीब 11-45 बजे की है। एमपी नगर पुलिस में झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है की झपटमारी करने वाले बदमाश को अयोध्या नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार लक्ष्मण पंचोली (40) विकास नगर गोविंदपुरा में रहता है और प्राइवेट गाड़ी चलाता है। रविवार रात उसे एमपी नगर से गाड़ी लेकर जाना था। वह रचना नगर होता हुआ चेतक ब्रिज के नीचे पहुंचा, तभी सीडीओ के पास बैठा एक बदमाश उसके पास पहुंचा और हाथ से मोबाइल झपटकर भाग निकला। लक्ष्मण ने पुलिस को बताया कि जिस समय मोबाइल झपट गया वह मोबाइल पर बात कर रहा था।

मेट्रो एंकर छात्र छात्राओं समेत 500 से अधिक स्टाफ को किया जागरुक

परवाह थीम पर यातायात जागरुकता अभियान, बीएसएसएस कॉलेज पहुंचे कमिश्नर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है। जिसमें परवाह की थीम पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए एवं वाहन चालकों को नियमों का पालन कराने के लिए यातायात जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है।

सोमवार को पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र बीएसएसएस कॉलेज हबीबगंज पहुंचे। वहां लगभग 500 की संख्या में स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। हरिनारायणचारी मिश्र ने बताया की संसार में सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं दक्षिण एशिया के देशों में होती है। इस संबंध में यदि हम वाहनों की तुलना करे तों यूरोप के देशों की वाहन दक्षिण एशिया की तुलना में अधिक हैं, लेकिन दुर्घटना की संख्या में काफी कमी आई है।

इसका मुख्य कारण है वह देशों के चालकों द्वारा यातायात के नियमों का कढ़ाई से पालन करना।

यातायात के संचालन में यह तीन महत्वपुर्ण

1 इंजीनियरिंग, एजुकेशन इनफोर्समेंट यह तीनों मिलकर किसी भी शहर या देश के यातायात का निर्माण करते है।

2 आज हमारी चर्चा ए मतलब एजुकेशन (जागरूकता) पर है। भारतवर्ष में लगभग 40 प्रतिषत दुर्घटनाए में जान गवाने वाले व्यक्ति में 18 से 35 वर्ष के नवयुवक होते है। जब ये वाहन चलाते हे तो जोश में होश खो देते है।

3 इसका उदाहरण हमारे शहर की कुछ सड़कों जैसे स्मार्ट रोड, बोट क्लब, वीआईपी रोड पर भी दो पहिया वाहन को तेज गति से चलाते, स्टंट करते देखा जा सकता है। तेज गति से वाहन चलाकर स्टंट करने के क्षणिक रोमांच के लिए ये नव युवक अपनी जान गवा देते है। उक्त आधार पर में कहना चाहुगा की लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा पाई जो नवयुवक क्षणिक रोमांच के लिए दुर्घटना में अपनी जान गवा देते है। जिसका प्रभाव सबसे अधिक उनके परिवार पर होता है और वह परिवार सालों इस दुख को भुगतता है।

बच्चों और पालकों से किया अनुरोध

उन्होंने कहा कि मेरा इस शहर के बच्चों, पालकों से अनुरोध है कि यदि आपकों वाहन चलाने की पात्रता नहीं है तो कृपया वाहन नहीं चलाए। यह जिम्मेदारी नाबलिक बच्चों के साथ उनके पालकों की भी है। जिनके पास वाहन चलाने के पात्रता है वो वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। आपने देखा होगा की चैंकिंग के दौरान लोग पुलिस के डर से चलान से बचने के लिए हेलमेट लगाते है और अगले चैराहे पर निकाल देते है। दो-पहिया वाहन चालकों से अनुरोध है की पुलिस के डर से हेलमेट न लगाये अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट का उपयोग करें।

पंजीयक कार्यालय से एसी का सामान चोरों ने किया साफ

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित परी बाजार पंजीयक कार्यालय में लगे एसी का सामान चोरी हो गया। पुलिस ने कार्यालय के कर्मचारी की शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण चोर का सुराग नहीं लग सका है। पुलिस के अनुसार पंजीयन कार्यालय के कर्मचारी संतोष केवट शिकायत करते हुए बताया कि कार्यालय में लगे एसी के बाहर के हिस्से का सामान चोरी हो गया है। चोर वायर काट कर सामान निकाल कर ले गया। घटना 17 जनवरी से 19 जनवरी की सुबह के बीच होने की आशंका जताई गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022